卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐
उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्निं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारूत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये
केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 129 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शुक्रवार ♦16 फरवरी 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

भारत बंद का मिला जुला असर

दिल्ली की सीमाओं पर दिखा महाजाम, कई जगह बाजारों में रहा सन्नाटा

नई दिल्ली (उद संवाददाता)। किसान संगठनों ने आज भारत बंद का आहवान किया था। जिसके चलते पंजाब हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में बंद का मिला जुला असर दिखाई दिया। कुछ स्थानों पर जाम के चलते भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। एमएसपी की गारंटी के साथ 11 अन्य मांगों को लेकर किसान आंदोलन कर रहे हैं। भारत बंद के तहत सुबह 6 बजे से शाम के 4 बजे तक बंद का आहवान किया गया था। जिसके तहत किसान पंजाब में कई जगहों पर ट्रेन की पटरियों पर बैठे रहे। किसानों के इस आंदोलन की वजह से रेल यातायात प्रभावित प्रभावित हुआ। 6 ट्रेनों को लुधियाना-साहनेवाल- चंडीगढ़ रूट पर डायवर्ट कर दिया गया। वहीं आंदोलन के चलते दिल्ली की सीमाओं पर भारी जाम लगा रहा। गाजीपुर बॉर्डर पर भी वाहनों की लंबी कतारें लग गयी। भारत बंद का असर नोएडा के कई बाजारों पर देखने को मिला। नोएडा का अट्टा मार्केट भी सुनसान दिखाई दिया। वहीं किसान आंदोलन के बीच हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर एक 70 साल के किसान की मौत हो गई।हार्ट अटैक के चलते 70 साल के किसान की जान चली गई। बता दें कि हरियाणा (शेष पृष्ठ सात पर)

भारत बंद के समर्थन में किसानों का प्रदर्शन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। संयुक्त किसान मोर्चा, सीटीयू एवं अन्य जन संगठनों की देश व्यापी हड़ताल एवं ग्रामीण बंद के तहत किसानों नें बगवाड़ा मण्डी में प्रदर्शन कर धरना दिया और अपनी मांगों को लेकर प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी को ज्ञापन प्रेषित कियां धरना प्रदर्शन के दोरान किसान नेताओं ने किसानों एवं किसान नेताओं पर हरियाणा सरकार और मध्य प्रदेश सरकार (शेष पृष्ठ सात पर)

पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध: सतपाल

त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों एवं कार्मिकों की दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। शहर के गांधी पार्क में आयोजित त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों एवं कार्मिकों की दो दिवसीय कार्यशाला का पंचायती राज मंत्री सतपाल महाराज ने शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायतों का विकास में अहम अहम योगदान है। पंचायती राज व्यवस्था आम ग्रामीण जनता की लोकतंत्र में प्रभावी भागीदारी का सशक्त माध्यम है। 73वें संविधान संशोधन द्वारा एक सुनियोजित पंचायती राज व्यवस्थापित करने का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस संशोधन अधिनियम के जरिये संविधान में 11वीं अनुसूची जोड़ते हुए 29 विषय त्रिस्तीरय पंचायतों को हस्तांतरित किये गये। ग्राम स्तर पर स्थानीय समस्याओं के समाधान विकास का नियोजन प्रबंधन व उनका कियान्वन करने के उद्देश्य से 73वें संविधान संशोधन के द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा दिया गया है। संविधान के प्रदत्त इस अधिदेश के जरिये पंचायतें स्थानीय स्व शासन के रूप में विकसित हो रही है। पंचातयी राज व्यवस्था के माध्यम से आम ग्रामीण जन समुदाय के लिए भागीदारी का मार्ग खुल गया है। सतपाल महाराज ने कहा कि पंचायतों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही तथा पंचायत प्रतिनिधियों की कार्यक्षमता में वृद्धि की दृष्टि से हमारी सरकार ने पंचायत प्रतिनिधियों का शैक्षिक स्तर निधारित करते हुए पंचायत चुनावों में उम्मीदवारी के लिए सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के व्यक्तियों को न्यूनतम हाईस्कूल तथा सभी वर्ग की महिलाओं एवं अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों के लिए न्यूनतम आठवीं की योग्यता अनिवार्य की है। जिससे पंचायतों को और मजबूती मिलेगी।इसके अलावा सरकार सभी स्तरों पर भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए संकल्पबद्ध हैं इसी उद्देश्य से क्षेत्र पंचायत प्रमुखों एवं जिला पंचायत अध्यक्षों का निर्वाचन प्रत्यक्ष रूप से किये जाने हेतु सरकार द्वारा संविधान के अनुच्छेद 243 के अंतर्गत संशोधन किये जाने हेतु सरकार (शेष पृष्ठ सात पर)

मानदेय बढ़ाने के लिए गरजीं आंगनबाड़ी वर्कर

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। मानदेय बढ़ाये जाने सहित अन्य मांगों को लेकर आंगनबाड़ी वर्करों ने शुक्रवार को जुलूस निकालकर जोरदार प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ती, सेविका, मिनी कर्मचारी संगठन के बैनरतले जिले भर से सैकड़ों की संख्या में आंगनबाड़ी वर्कर जिला मुख्यालय पर नैनीताल रोड स्थित पेट्रोल पम्प के पास एकत्र हुई। मानदेय बढ़ोत्तरी समेत अन्य मांगों को लेकर कार्यकर्त्रियों ने कलेक्ट्रेट तक जोरदार जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट गेट पर जुलूस को पुलिस ने रोक लिया। जिस पर प्रदर्शनकारी महिलाएं गेट पर ही धरने पर बैठ गई। इस दौरान आंगनबाड़ी वर्करों का कहना था कि संगठन मानदेय को लेकर उत्तराखण्ड सरकार से बार बार निवेदन करता आ रहा है लेकिन उनकी मांगों को सरकार लगातार नजरअंदाज कर रही है उन्हें सरकार से मिलने तक का समय नहीं दिया जाता है जिस कारण उन्हें सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक तरफ महिला सशक्तिकरण की बात कही जा रही है दूसरी तरफ आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों के हितों को अनदेखा किया जा रहा है। आंगनबाड़ी वर्करों ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर न्यूनतम मजदूरी को देखते हुए 600 प्रतिदिन के हिसाब से 18 हजार प्रतिमाह मानदेय किये जाने, वरिष्ठता के आधार पर 15 वर्ष पूरे होने पर प्रतिवर्ष सबका मानदेय बढ़ाने, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को रिटायरमेंट होने पर दो लाख रूपये देने, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को गोल्डन कार्ड की सुविधा प्रदान करने, मिनी आंगनबाड़ी कार्य कर्ताओं का उच्चीकरण का जीओ शीघ्र जारी करने की मांग की है। प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष मनप्रीत कौर,रंजीता अरोरा, गीता च्रदांवती, कुसुमलता, भगवती आर्य आदि थे।

25 वारंटी किये गिरफ्तार

किच्छा(उद संवाददाता)। वारंटियों के खिलाफ चलाये गये अभियान में पुलिस ने धरपकड़ करते हुए 25 वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत वारंटियों की गिरफ्तारी की कार्यवाही के

लिए चलाये गये अीियान में पुलिस टीमों ने थाना क्षेत्र से अलग-अलग अभियोगों में फरार चल रहे 21 पुरुष और 4 महिलाओं सहित 25 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरप्तार वारंटियों को न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की गयी। गिरफ्तार वारंटियों में सुखदेव सिंह पुत्र सुन्दर सिंह निवासी (शेष पृष्ठ सात पर)

सरकारी पेड़ काटने के मामले में चार गिरफ्तार

किच्छा(उद संवाददाता)। कोतवाली पुलिस ने विगत सरकारी पेड़ों को काटने के मामले में चार दिन के अंदर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पेड़ों को काटने वाले लकड़ी चार चोरों को मय लकड़ी के गिरफ्तार कर लिया है। बता दें राजस्व उप निरीक्षक दीपक सिंह ने 12 फरवरी को अज्ञात चोरों के संबंध में सरकारी वृक्षों को काटकर ले जाने की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी जिस पर कोतवाली प्रभारी सुंदरम शर्मा के नेतृत्व में चोरों को गिरफ्तार करने के लिए संभावित स्थानों पर छापेमारी की गई। सूचना पर अभियुक्त खष्टी बल्लभ पुत्र टीका दत्त भट्ट निवासी बेनी मजार गडरिया बाग किच्छा ,अभिषेक सिंह पुत्र लाल सिंह निवासी वेणी बाजार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों ने पूछताछ में स्वीकार कि सम्बंधित वृक्षों का कटान उनके द्वारा चोरी से किया गया है। इस काम में संजय पुत्र राम प्रसाद निवासी चीनी मिल दीदार फॉर्म, मनमोहन उर्फ मनु पुत्र चमन लाल निवासी चीनी मिल के साथ मिलकर लकड़ी चोरी करने की योजना बनायी। ग्राम रजपुरा में पन्थपुरा जंगल में से 7 (शेष पृष्ठ सात पर)

गन्ने के खेत में बच्ची से दुराचार का प्रयास

काशीपुर(उद संवाददाता)। आईटीआई थाना क्षेत्र में 12 वर्षीय किशोरी को गन्ने के खेत में ले जाकर कामांध युवक ने दुराचार का प्रयास किया। बच्ची ने जब इसका विरोध किया तो उसे मौत के घाट उतारने की धमकी दी गई। इस मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उसके साल की 12 वर्षीय पुत्री 15 फरवरी को लगभग 4:30 बजे जब घर के आसपास मौजूद थी इसी दौरान ग्राम हेमपुर इस्माइल हिम्मतपुर थाना आईटीआई निवासी सतीश कुमार पुत्र राजेंद्र सिंह नामक युवक बच्ची को बहला फुसलाकर गन्ने के खेत में ले गया और वहां उसके साथ अश्लील हरकत करते हुए दुराचार का प्रयास किया। आरोप है कि जब बच्ची ने इसका विरोध किया तो आरोपी द्वारा उसे जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने मामले की प्राथमिक की दर्ज कर अभियुक्त की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए।

मासूम बच्ची से जबरदस्ती की छेड़छाड़

काशीपुर। मासूम बच्ची के साथ जबरदस्ती अश्लील हरकत करने के मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर एक व्यक्ति को नामजद किया है। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर मोहल्ला सुभाष नगर निवासी एक महिला ने बताया कि बीते 15 फरवरी को लगभग 9:15 बजे उसकी 10 वर्षीया पुत्री को शुगर मिल निवासी सतवीर पुत्र चंद्रपाल ने बलपूर्वक पकड़ लिया एवं उसके साथ बदतमीजी करने लगा। महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी द्वारा उसकी मासूम बेटी के प्राइवेट पार्ट से भी छेड़छाड़ किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज करते हुए उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए।

'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को धरातल पर उतार रही सरकार: धामी

सीएम ने जनपद चमोली के लिए 400 करोड़ रुपए से अधिक की 604 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

चमोली(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को गौचर में आयोजित 'नंदा गौरा महोत्सव' में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि हमारी मातृशक्ति प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा दिए गए आत्मनिर्भर भारत और 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को धरातल पर उतारने का काम कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सीमांत जनपद चमोली के लिए 400 करोड़ रुपए से अधिक की 604 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जिसमें 97 करोड़ रुपए लागत की 260 योजनाओं का लोकार्पण तथा 303 करोड़ रुपए की 344 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कन्या पूजन कर मातृशक्ति को भी सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने पहाड़ की पारंपरिक वस्तुओं को बढ़ावा देने के उदेश्य से रांछ पर कालीन बुनाई, पहाड़ की पारंपरिक चक्की (जांदरा) चलाया, पैडल चरखे पर ऊन कताई, रिंगाल की टोकरी बुनने और दुर्लभ भोजपत्र पर कैलीग्राफी भी की और महिला समूहों के साथ विभिन्न क्रियाकलाप कर स्थानीय संस्कृति को जाना और अपनी पुरानी यादों को साझा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां नंदा पूरे गढ़वाल और कुमांऊ मंडल में अधिष्ठात्री देवी के रूप में पूजनीय हैं। मां नंदा को हम ध्यांण मानते हैं और एक विवाहित बेटी के रूप में मां नंदा की कैलाश विदाई के लिए हर साल सिद्धपीठ कुरूड़ से लोकजात यात्रा और 12 वर्षो में राजजात यात्रा आयोजित की जाती है। जबकि, गौरा देवी पर्यावरण संरक्षण को लेकर विश्व विख्यात चिपको आंदोलन की अगुवा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह भगवान बद्रीनाथ की पावन भूमि है। उन्होंने इस कार्यक्रम में शामिल होना अपना सौभाग्य बताया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्राम पंचायत दुआ की राजेश्वरी देवी, कुसुम देवी और यशोदा देवी तथा अटल आवास योजना के तहत ग्राम सूकी सुराईथोटा की नंदी देवी एवं ग्राम तोलमा सुराईथोटा की सरिता देवी को भवन की चाबियां प्रदान की। मुख्यमंत्री ने उत्साहवर्धक कार्य करने हेतु मुल्लागांव ग्वाड की लीला देवी व ग्राम पिंडवाली की सीता देवी, चमोली की सुनीता देवी, ग्राम गमशाली की रूकमणी देवी, मंडल की पूजा देवी तथा ग्राम मठ की चंद्रकला तिवारी, गोपेश्वर की मीना तिवारी और शशी देवली को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जनपद के प्रभारी मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत, कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल, थराली विधायक भोपाल राम टम्टा, दायित्वधारी श्री रमेश गढ़िया, गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय, जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, पुलिस अधीक्षक रेखा आदि मौजूद रहे।

किशारी की हत्या के बाद कट्टे में डालकर गंगनहर में फेंका शव

हरिद्वार। हरिद्वार की रानीपुर पुलिस ने क्षेत्र में हुई किशोरी की हत्या के मामले का खुलासा कर दिया। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि वह नाबालिग का प्रेमी था। उसने ही अपनी प्रेमिका की हत्या की थी। उसने बताया कि आरोपी ने किशोरी से पीछा छुड़ाने लिए गला दबाकर उसे मौत के घाट उतारा और शव को कट्टे में डालकर गंगनहर में फेंक दिया था। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने पत्रकार वार्ता में बताया कि 31 जनवरी को सलेमपुर महदूद निवासी एक व्यक्ति ने अपनी 15 वर्ष की बेटी की गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसका शव दो दिन पहले आसफ नगर झाल से बरामद हुआ था। पुलिस ने मोबाइल नंबर की डिटेल निकालने के साथ अन्य पहलुओं पर पड़ताल शुरू की। तब मामले से पर्दा उठता चला गया। एसएसपी ने बताया कि आरोपी अजीम को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया कि उसका किशोरी से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसलिए वह लगातार उस पर निकाह करने का दबाव बना रही थी। 27 दिसंबर की रात घंटों तक दोनों की फोन पर बातें हुई। इसके बाद उसने उसे रात में मिलने के लिए बुलाया। जहां गला दबाकर किशोरी को मौत के घाट उतार दिया। उसके बाद कट्टे में शव डालकर भैंसा बुग्गी से लेकर रेगुलेटर पुल से गंगनहर में फेंक दिया था।

कैबिनेट मंत्रियों के साथ अयोध्या जा सकते हैं सीएम पुष्कर धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी 20 फरवरी को अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ रामलला के दर्शन करने अयोध्या जा सकते हैं। पार्टी के कई विधायकों ने भी मुख्यमंत्री के साथ अयोध्या जाने की इच्छा जाहिर की है। इससे पूर्व भी मंत्रियों के अयोध्या जाकर दर्शन करने की तैयारी थी, लेकिन वहां भारी भीड़ होने से मुख्यमंत्री ने अयोध्या जाने का कार्यक्रम स्थगित कर दिया था। सूत्रों के मुताबिक, यूपी सरकार की ओर से भी अयोध्या के लिए राज्य सरकार को संकेत हो गए हैं। इसे देखते हुए सीएम अपने मंत्रियों के साथ 20 फरवरी को अयोध्या जाने पर विचार कर रहे हैं।

बच्चों के भविष्य के प्रति समर्पित रहते हैं शिक्षक नरेंद्र गोस्वामी

बागेश्वर(उद संवाददाता)। जनपद के राजकीय जूनियर हाईस्कूल करूली के शिक्षक को बच्चों के प्रति किए गए मेहनत को देखते हुए प्रदेश सरकार ने शैलेश मटियानी पुरस्कार के लिए चयनित किया है। नरेंद्र गोस्वामी ने बच्चों के भविष्य के प्रति जीवन समर्पित कर दिया है। इनके स्कूल के बच्चों की सुलेख ने प्रदेश में अपना लोहा मनवाया है। इसके अलावा वे विदयालय की विविध गतिविधियों में बच्चों का भविष्य तलाशते हैं। नरेंद्र गोस्वामी वर्ष 2018 में राजकीय जूनियर हाईस्कूल करूली में तैनात हुए तथा यहां आते ही बच्चों को तराशना प्रारंभ कर दिया। इस स्कूल की खासियत है कि इस स्कूल के बच्चे प्रति वर्ष राष्टीय मेधावी छात्रवृत्ति के लिए चयनित हुए हैं। इसके अलावा प्रत्येक गतिविधि में बच्चे अव्वल रहते हैं। नरेंद्र गोस्वामी स्कूल टाइम के बाद बच्चों की सुलेख में विशेष ध्यान देने के लिए उन्हें अभ्यास कराते हैं जिससे इनके विदयालय के बच्चों की सुलेख की जिला स्तर के अधिकारी समेत राज्यपाल तक कर चुके हैं। इस बार उनका चयन शैलेष मटियानी पुरस्कार के लिए हुआ है जिससे शिक्षा जगत में हर्ष व्याप्त है। उनके चयन पर सीईओ गजेंद्र सिंह सोन, अध्यापक हेम लोहुमी, सुरेंद्र वर्मा आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

आवंटित लक्ष्यों की शत प्रतिशत पूर्ति करने के निर्देश

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।ऊधम सिंह नगर डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक के जिले भर की शाखाओं के शाखा प्रबंधकों की मासिक सहवर्गीय बैठक विकास भवन के सभागार में बैंक के प्रशासक / मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में प्रशासक मनीष कुमार ने बैंक निक्षेप में 31 मार्च 2023 के सापेक्ष कमी वाले शाखा प्रबंधकों को वित्त वर्ष 2023-24 में आवंटित लक्ष्यों की शत प्रतिशत पूर्ति करने के निर्देश दिए। इसके साथ बैंक के 31 मार्च 2023 के एनपीए की वसूली में प्रगति की समीक्षा की और वसूली के अभियान को तेज करते हुए 31 मार्च 2024 तक वसूली करने के सख्त निर्देश दिए। इसके साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि बैंक के एनपीए में मार्च में किसी प्रकार की वृद्धि न हो । प्रशासक ने बैंक के व्यवसाय में वृद्धि हेतु शाखाओं को वित्त वर्ष में आवंटित ऋण वितरण के लक्ष्य पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया गया । बैंक की हानि वाली शाखाओं के प्रबंधकों को हानि समाप्त कर लाभ में लाने हेतु ठोस कार्य योजना बनाकर उसे वास्तविकता के धरातल पर उतारने के निर्देश दिए गए । इस अवसर पर बैंक के सचिव महाप्रबंधक एस एस नपल्च्याल , उपमहाप्रबंधक चरण सिंह, कविता गोदियाल, हरी सिंह यादव एवम् बैंक की सभी शाखाओं के शाखा प्रबंधक भी उपस्थित रहे ।

भाजपा ने चुनाव से पूर्व कांग्रेस के बिगाड़े समीकरण

लोकसभा के साथ निकाय चुनाव की तैयारी भी शुरू, खटीमा ब्लाक प्रमुख और जिला पंचायत सदस्य भाजपा में शामिल

नानकमत्ता। लोकसभा चुनाव की तैयारी के साथ ही भाजपा ने निकाय चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पूर्व ही भाजपा ने कांग्रेस खेमे में सेंध लगाकर नगर के राईस मिलर एवं खटीमा के ब्लाक प्रमुख समेत क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य को भाजपा में शामिल कर एक तीर से दो निशाने साधने का काम किया है। कांग्रेस को अपने निर्वतमान चेयरमेन प्रेम सिंह टुरना के दमखम पर नगर पंचायत चुनाव में पुनः वापसी की उम्मीद में है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने में अभी समय है, लेकिन सत्ताधारी दल भाजपा ने अभी से लोकसभा चुनाव के साथ ही नगर पंचायत चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। अभी कुछ दिन पूर्व ही नानकमत्ता के राईस मिलर एवं खटीमा के ब्लाक प्रमुख रंजीत सिंह नामधारी जो कि कांग्रेस से ब्लाक प्रमुख बने थे। कई वर्षो से उनका भाजपा के साथ छत्तीस का आंकड़ा चल रहा था। 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद कई जांच के दौर से गुरजना पड़ा, यही नहीं उन्हें ब्लाक प्रमुख के पद से भी शासन की जांच के बाद हटाया गया। कुछ दिन पूर्व प्रदेश मुख्यालय में उन्होंने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली थी। पिछले दिनों अपने गांव चलों सम्पर्क अभियान में केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट एंव पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा की मौजूदगी में जिला पंचायत सदस्य पति पवन राणा ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस छोड़ भाजपा की सदस्यता ले ली। क्षेत्र में दो कांग्रेस के चेहरे भाजपा में शामिल होने से जहां भाजपा अपने को मजबूत स्थिति में देख रही है। वही कांग्रेस नगर पंचायत चुनाव में इससे कोई फर्क न पड़ने की बात कह रही है। क्योंकि खटीमा के ब्लाक प्रमुख की राजनीतिक क्षेत्र में खटीमा एवं ग्रह क्षेत्र प्रतापपुर है। हालांकि वह नगर में राईस मिल चलाते है। वही पवन राणा की पत्नी जिला पंचायत सदस्य है, जिनका ग्रह क्षेत्र भी ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा है। ऐसे में कांग्रेस को अपने निर्वतमान चेयरमैन प्रेम सिंह टुरना के सहारे आगामर लोकसभा एंव नगर पंचायत चुनाव में सामना करना है।

आरक्षण से बदल सकते हैं समीकरण

नानकमत्ता। लोकसभा चुनाव के ठीक बाद नगर पंचायत के चुनाव तय है, जो कि जून माह में हो सकते है। लेकिन आरक्षण के बाद नगर पंचायत चुनाव की स्थिति स्पष्ट होगी। पिछले चुनाव में नगर पंचायत की सीट समान्य पुरूश थी। इस चुनाव में समान्य सीट के साथ महिला समान्य, पिछड़ी जाति, अनूसुचित जनजाति , अनुसूचित जाति के साथ महिला या पुरूष किस वर्ग के लिए आरक्षित हो सकती है।

भाजपा की तलाश मजबूत दावेदार

नानकमत्ता। नगर पंचायत चुनाव में समान्य सीट पर भाजपा के पास कोई पास जातिगण समीकरण से कोई मजबूत दावेदार नही है। दो तीन नाम सामने आ रहें है, लेकिन भाजपा के चुनावी दृष्टि से कोई फिट नही बैंठ रहा है। अनुसूचित जनजाति की सीट आने पर निवर्तमान 4 सभासद समेंत दो तीन अन्य नाम भी चर्चा में है। वही कांग्रेस के पास समान्य व पिछड़ी सीट आने पर निवर्तमान चैयरमेन ही प्रमुख दावेदार है।

रेरा एप्रूव्ड कालोनी
30 से 60 तक चौड़ी सड़कें,
बड़े-बड़े पार्क, गेट बंद कालोनी
90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा,
सीवरेज, स्ट्रीट लाईट

डायनामिक गार्डन सिटी
तोमर कंस्ट्रक्शन
श्री राधा स्वामी सत्संग घर गेट नं. 7 के सामने किच्छा रोड, रूद्रपुर
मोबा. 9557222289,7088169159

100 से 400 गज तक के प्लाट
100,160, 200 गज विला
खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें।
100 से अधिक परिवार रह रहे हैं

विज्ञान कार्यशाला में कई छात्रों ने किया प्रतिभाग

गदरपुर(उद संवाददाता)। शिवालिक बाल विज्ञान समूह ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर में एक विज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया।जिसमे हाई स्कूल जगदीशपुर के बच्चो ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक छात्रों तथा अनेकों विज्ञान शिक्षकों की उपस्थिति रही। कार्यशाला संस्था अध्यक्ष सुमित पाण्डेय तथा प्रशासनिक अधिकारी सुमित पाण्डेय द्वारा संचालित की गई। इस समारोह का उद्देश्य वैज्ञानिक प्रयोगों द्वारा छात्रो की विज्ञान में रुचि बढ़ाना, छात्रो को विज्ञान के प्रति अनेकों वैज्ञानिक कथाओं द्वारा प्रेरित करना था। कार्यक्रम प्राथमिक स्कूल के प्रधानाध्यापक विजय शंकर के नेतृत्व में आयोजित किया गया।इस का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी श्री।भास्कर नंद पाण्डे जी द्वारा किया गया।इस अवसर पर,धर्मवीर सिंह, राजेन्द्र सिंह, शोभा रानी,अमिता मेहरा,रेखा, नीरा,शशि ,बबिता,विद्यालय के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य विजय शंकर ने कहा ,यह विज्ञान समारोह न केवल छात्रों को नए वैज्ञानिक दृष्टिकोण से परिचित कराने का माध्यम बना, बल्कि इसने छात्रों में विज्ञान के प्रति रुझान को बढ़ावा देने का एक शानदार प्रयास भी किया।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षो का अनुभवः-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, निःसन्तान स्त्री-पुरुष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले) लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA
M.D. (Ayurveda)
Mob.: 9410897970
DR. ASHWINI MISHRA
M.D. (Ayurveda)
स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं0 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी 1 डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

पुस्तक मेले में बच्चों ने किया ज्ञानवर्धन

गदरपुर(उद संवाददाता)। राजकीय प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर में पुस्तक मेंले का आयोजन किया गया ।जिसका शुभारंभ खंड शिक्षाधिकारी श्री भास्करानंद पांडे जी द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष गुलाब सिंह सिरोही व बी आर सी समन्वयक मोहनलाल,गदरपुर ब्लॉक के विभिन्न विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाएं हुए बच्चे उपस्थित हुए। पुस्तक मेले में बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार की पुस्तकें और विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेल व अन्य गतिविधियां प्रदर्शित की गई ।पुस्तक मेले में जगदीशपुर प्राथमिक विद्यालय के बच्चों द्वारा हस्त निर्मित क्राफ्ट व विद्यालय की लाइब्रेरी भी प्रदर्शित की गई थी । पुस्तक मेले में द बुक ट्री रुद्रपुर द्वारा स्टॉल लगाकर पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। पुस्तक मेले में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय दिनेशपुर ,राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर , राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अमरपुर ,आनंद खेड़ा, रामबाग प्राथमिक विद्यालय जयनगर, धीमरी ब्लॉक, राजकीय प्राथमिक विद्यालय संपतपुर ,राजकीय प्राथमिक विद्यालय राज प्राथमिक विद्यालय धीमरखेड़ा व क्षेत्र के अन्य समस्त विद्यालय ने प्रतिभा किया। इस अवसर पर राजकीय प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय शंकर, शशि सचान,बबिता गुप्ता, नीरा देवी, अमिता मेहरा, मृदुल गुप्ता, पंकज चौधरी,संजय कुशवाहा, कुंदन लाल कौशिक तमाम शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन श्रीमती श्रद्धा रानी ने किया।

राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे से काटे जा रहे कीमती पेड़

गदरपुर(उद संवाददाता)। लगभग 1 महीने के अंतराल में राष्ट्रीय राजमार्ग 74 पर गदरपुर से काशीपुर रोड सरदार नगर पुल से पहले सड़क के किनारे लगे पुराने शीशम एवं अन्य कीमती पेड़ों का कटान होकर गायब होना जारी है प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार अंधेरी रात में काटे गए पेड़ जिनके ठूंठ अभी लगे हैं जोकि अवैध कटान का मुंह बोलता प्रमाण है कोई भी विभागीय कर्मी अपना मुंह खोलने को तैयार नहीं

है मुख्य मार्ग पर ग्राम राम जीवनपुर नंबर 2 मोड़ से नहाल नदी के पुल तक लगभग आधा दर्जन से अधिक भारी कीमती लकड़ी के पेड़ जिनके ठूंठ अभी लगे हुए हैं जिनका संज्ञान लेने के लिए कोई तैयार नहीं है गत दिनों एक पेड़ का ठूंठ किसी व्यक्ति द्वारा कुल्हाड़ी से काट-काट कर खत्म कर दिया गया परंतु उसकी जड़ अभी भी जिंदा है। पर्यावरण संरक्षण के लिए लगाए गए पेड़ों का कटान किए जाने के लिए कौन सा विभाग जिम्मेदार है किसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए जिसका जवाब देह कोई नहीं है ।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
05944-246817

देहरादून ने जीता अंडर 16 बालक हॉकी का खिताब

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिला खेल कार्यालय द्वारा श्री मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय अंडर 16 बालक हॉकी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला देहरादून और चंपावत के मध्य खेला गया। जिसमें देहरादून ने 2ख0 से जीत दर्ज कर विजेता का खिताब जीता। मुख्य अतिथि पूर्व संयुक्त निदेशक खेल सतीश कुमार सारकी ने विजेता और उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरुस्कृत किया। इससे पूर्व सुबह पहला सेमीफाइनल मैच ऊधम सिंह नगर और चंपावत के मध्य खेला गया। जिसमें चंपावत 1 *0 से विजयी हुआ। दूसरा सेमीफाइनल हरिद्वार और देहरादून के मध्य खेला गया। जिसमें देहरादून ने 6ख0 से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। इस अवसर पर उप क्रीड़ा अधिकारी नैनीताल वरुण बेलवाल, भगवान सिंह रावत, आयोजन सचिव मोहित, हॉकी प्रशिक्षक मोहित सिंह, कमल सिंह, धीरज जोशी, अनिल, कैलाश, शशि आदि उपस्थित रहे। मैच के निर्णायक विरेंद्र सिंह बिष्ट, भानु अग्रवाल, गोबिंद लटवाल, शाहनवाज हसन, राहुल यादव, विनय किशोर, विवेक सिंह रहे।

हल्द्वानी से पिथौरागढ़, मुनस्यारी और चंपावत के लिए 22 फरवरी से शुरू होगी हैली सेवा

हल्द्वानी । उपजिलाधिकारी पारितोष वर्मा ने बताया कि हैली सेवा का ट्रायल सफल होने पर डीजीसीए की अनुमति के बाद यह सेवा 22 फरवरी से 2024 से प्रारम्भ होगी। उन्होंने बताया कि विगत दिवस 19 जनवरी को गौलापार हैलीपेड से हेली सेवा हेतु ट्रायल किया गया था इसके पश्चात नागरिक उडडयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा कुछ कार्य करने के निर्देश दिये थे। श्री वर्मा ने बताया कि प्रशासन द्वारा हैलीपैड में हवाई यात्रा सुचारू हेतु आवश्यक सभी व्यवस्थाओं को चाक चौबंद कर दिया है। 22 फरवरी से हल्द्वानी से पिथौरागढ, मुनस्यारी व चम्पावत के लिए हेली सेवा प्रारंभ होगी।

फरदीन के घर पर चला बुलडोजर ,अतिक्रमण ध्वस्त

ट्यूशन पढ़ने जा रही छात्रा पर जानलेवा हमले के अन्य फरार आरोपियों की तलाश में दी दबिश

काशीपुर(उद संवाददाता)। बहन के साथ ट्यूशन पढ़ने जा रही छात्रा पर पिछले दिनों जानलेवा हमले के आरोपी फरदीन पुत्र रिजवान के घर पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए उसके घर का छज्जा और टीन शेड ढहा दिया। मामले को छात्रा पर हुए हमले से जोड़कर देखा जा रहा है, हालांकि प्रशासन अतिक्रमण की वजह से की गई कार्रवाई बता रहा है। बृहस्पतिवार को राजस्व प्रशासन, जिला विकास प्राधिकरण, चकबंदी विभाग और नगर निगम की टीम खालसा मोहल्ले में छात्रा पर जानलेवा हमले के मुख्य आरोपी फरदीन के घर पहुंची और कथित रूप से अतिक्रमण की जद में आ रहे उसके घर की नाप जोख शुरू कर दी। कुछ देर बाद गली में बुलडोजर आया, जिसे देखकर मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। प्रशासन के आदेश पर फहीम के घर के छज्जे और सीढ़ियां तोड़ दी गईं। घर के परिसर में बने एक टीन शेड और बाहर के हिस्से में बनाई गई चाय की दुकान की भट्टी भी ध्वस्त कर दी गई। मौके पर भारी तादाद में पुलिस बल भी तैनात किया गया था। हालांकि पुलिस की सख्ती के चलते किसी ने विरोध की हिम्मत नहीं की। इस दौरान तहसीलदार पंकज चंदोला , कोतवाल मनोज रतूड़ी, एसएसआई प्रदीप मिश्रा तथा नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त यशवीर सिंह राठी सहित कई अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। तहसीलदार पंकज चंदोला ने बताया कि अतिक्रमण के खिलाफ चलाए जाने वाले अभियान के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई है। विगत 12 फरवरी की शाम करीब चार बजे खालसा मौहल्ला निवासी एक छात्रा अपनी बहन के साथ जब ट्यूशन पढ़ने जा रही थी आरोप है तभी फरदीन नाम के युवक ने धारदार हथियार से हमला कर दिया था। आसपास काम कर रहे पर्यावरण मित्र छात्रा को बचाने दौड़े तो आरोपी भाग निकला। पुलिस का दावा है कि एक तरफा प्रेम के जुनून में यह हमला किया गया था। पुलिस ने आरोपी फरदीन और उसके दोस्त रऊफ को उसी रात गिरफ्तार कर लिया था जबकि हमले के लिए उकसाने वाला भाई आकिब बुधवार को गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में कई और नामजद हैं जो अब भी फरार हैं, जिनकी पुलिस को तलाश है। छात्रा पर प्राण घातक हमला करने के आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाने की सूचना पूरे शहर में थोड़ी देर में ही जंगल की आग की तरह फैल गई । छात्रा पर प्राणघातक हमला करने और उसके बाद परिजनों को मुकदमे वापस न लेने पर जान से से मारने की धमकी देने से संबंधित मुकदमे में मुख्य आरोपी के परिजनों तथा रिश्तेदारों को भी नाजद किया गया है। पुलिस ने अन्य आरोपियों की तलाश में भी छापे मारे लेकिन कोई पकड़ा नहीं जा सका । कोतवाली प्रभारी मनोज रतूड़ी ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास जारी है।

कर्फ्यू में मिली ढील: इंटरनेट और आवश्यक सेवाएं बहाल

कर्फ्यूग्रस्त बनभूलपूरा क्षेत्र में पहुंचकर डीएम वंदना ने अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। हल्द्वानी हिंसा मामले में अब जिला प्रशासन ने कर्फ्यू में ढील की समय सीमा बढ़ाने का फैसला किया है। अब मंडी गेट शनि बाजार रोड से पश्चिम का क्षेत्र, रेलवे बाजार रोड से पश्चिम दिशा का पूरा क्षेत्र, गोलचा कंपाउंड स्थित एफसीआई वाले क्षेत्र में सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक छूट रहेगी। शेष कर्फ्यू वाले क्षेत्र में सुबह आठ बजे से 11 बजे तक छूट रहेगी। यहां पहले दिन नौ से 11 बजे तक छूट दी गई थी। डीएम वंदना की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं से जुड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान व दुकानें संचालित होंगी। क्षेत्र के जन-सामान्य का आवश्यक वस्तुओं के क्रय-विक्रय के लिए दुकानों तक आना-जाना कर सकेंगे। अनावश्यक आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। वहीं, कर्फ्यू में छूट के दौरान बाहरी आवाजाही पूर्ण रूप से बंद रहेगी। ढील अवधि के दौरान सभी तरह की दुकानें खुली रहेंगी। लेकिन इंटरनेट सेवा पूर्ण रूप से बंद रहेगी। कर्फ्यूग्रस्त क्षेत्र के निवासियों का क्षेत्र से बाहर प्रवेश व निकास प्रतिबंधित रहेगा। कर्फ्यूग्रस्त क्षेत्र के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षाओं, विश्वविद्यालय की परीक्षाओं, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रवेश पत्र दिखाये जाने के बाद परीक्षा अवधि में परीक्षा स्थल तक आवागमन की अनुमति दी जाएगी। इसी प्रकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों के कार्मिकों को परीक्षा केंद्र तक बोर्ड ड्यूटी, व परीक्षा ड्यूटी के लिए आवागमन की अनुमति दी जाएगी। जिलाधिकारी वंदना द्वारा गुरूवार की सायं बनभूलपूरा क्षेत्र के लाईन न-17, नई बस्ती,गांधीनगर, बनभूलपुरा थाना तथा मलिक के बगीचे के क्षेत्र का जायजा लिया और प्रशासन द्वारा आमजनता को दी जा रही आवश्यक सुविधाओं के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये है। जिलाधिकारी ने बनभूलपुरा क्षेत्र की आम जनता को प्रशासन द्वारा दी जा रही आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे मे लोगों से वार्ता की गई लोगों द्वारा बताया गया कि जरूरी सामग्री सब्जियां, राशन,दूध व मेडिकल सेवा प्रशासन द्वारा नियमित उपलब्ध कराई जा रही हैं। क्षेत्र के जो लोग बीमार है उन्हें एम्बुलैंस के द्वारा चिकित्सालय में उपचार हेतु भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा प्रभावितों को हर सम्भव मदद प्रशासन द्वारा दी जायेगी। क्षेत्र में पूछताछ केन्द्र स्थापित किया गया है साथ ही जिन लोगों को मेडिकल आदि सुविधा के लिए क्षेत्र में ही सिटी मजिस्ट्रेट द्वारा पास जारी किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि लोगों को परेशानी ना हो सभी व्यवस्थायें क्षेत्र में ही सुनिश्चित की गई हैं। जिलाधिकारी द्वारा सुरक्षा कार्मियों से भी चर्चा की गई। उन्होंने बनभूलपुरा क्षेत्र के सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिये कि प्रभावित लोगों को तत्परता व जिम्मेदारी के साथ आवश्यक सुविधायें मुहैया कराई जाए। इसके उपरान्त जिलाधिकारी द्वारा बनभुलपूरा थाने के निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरान्त उन्होंने अधिशासी अभियंता लोनिवि को निर्देश दिये कि थाने के भवन के मरम्मत का कार्य में तेजी लाई जाए। निरीक्षण के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट ऋचासिंह, एबीबाजपेयी, उपजिलाधिकारी पारितोष वर्मा, तहसीलदार सचिन कुमार के साथ ही सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे। गुरुवार को बनभूलपुरा कर्फ्यू ग्रस्त क्षेत्र में सुबह 9:00 बजे से 11:00 तक ढील दी गई। जोनल मजिस्ट्रेट ए पी वाजपेई ने बताया कि कर्फ्यू के नए आदेश के मुताबिक शांति व्यवस्था के साथ ही लोगों की जरूरत के हिसाब से आवश्यक सामग्री खरीदने के लिए 2 घंटे की राहत दी गई जिसमें लोगों ने अपनी आवश्यक सामग्री क्रय की गई, बनभूलपुरा स्वास्थ्य केंद्र में बाल रोग चिकित्सक के साथ ही महिला चिकित्सक भी मौजूद रही। टीकाकरण एवं पैथलॉजी की सुविधा भी प्रदान की गई। इसके अलावा कुमाऊं यूनिवर्सिटी के साथ ही ओपन यूनिवर्सिटी व अन्य विद्यालयों के परीक्षार्थियों के लिए छूट दी गई है और बनभूलपुरा थाने के सामने बनाए गए हेल्प डेस्क से लोगों की मदद की जा रही है। इसके अलावा बिजली सप्लाई, पानी सप्लाई और गैस की आपूर्ति सहित आवश्यक सेवाएं 24 घंटे बहाल है व बनभूलपुरा के विभिन्न इलाकों में सब्जियां फल आदि की दुकान भी उपलब्ध संचालित की गई है।

मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक और पुत्र अब्दुल मोइद के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी

बनभूलपुरा हिंसा में पांच और दंगाई गिरफ्तार

हल्द्वानी(उद सवांददाता)। बनभूलपुरा घटना में शामिल आरोपी अब्दुल मलिक और उसके पुत्र अब्दुल मोइद के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया गया है। अब तक पुलिस कार्यवाही में कुल 42 उपद्रवियों की गिरफ्तारी की गयी है। बनभूलपुरा क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के दौरान उपद्रवियों द्वारा पुलिस, प्रशासन, नगर निगम व मीडिया कर्मियों पर पथराव, आगजनी व गोलीबारी की हिंसक घटना में संलिप्त उपद्रवियों की गिरफ्तारी के लिये एसएसपी श्री प्रहलाद नारायण मीणा नैनीताल द्वारा श्री हरबन्स सिंह, एसपीसिटी हल्द्वानी के पर्यवेक्षण में बृहद स्तर पर विभिन्न टीमों का गठन किया गया है। पुलिस टीमों द्वारा घटनास्थलों के आसपास के सीसीटीवी के अवलोकन एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर घटनास्थलों के आसपास स्थित घरों में दबिश दी गयी और उपरोक्त मुकदमों में पूर्व में 37 उपद्रवियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध हथियार व कारतूस बरामद किये गये। इसी कड़ी में पुलिस द्वारा बनभूलपुरा में घटित हिंसक घटना में गुरूवार को 05 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है। मुअसं-22/24 में अभियुक्तगण मौहम्मद इस्तकार उर्फ जब्बा पुत्र मौहम्मद अल्ताफ निवासी लाईन नं0-08, बिलाली मस्जिद के पीछे वाली गली, बनभूलपुरा, उम्र-22 वर्ष। शरीफ उर्फ पाचा पुत्र अब्दुल वाहिद निवासी लाईन नं0-12, न्यू ऐया स्कूल के पास, बनभूलपुरा उम्र-29 वर्ष। मुअसं-23/24 में अभियुक्तगण आदी खान पुत्र परवेज खान निवासी किदवई नगर, बनभूलपुरा, उम्र-21 वर्ष। 2. मौहम्मद आसिफ पुत्र मौहम्मद युसुफ निवासी सफदर का बगीचा, बनभूलपुरा, उम्र-30 वर्ष। 3. हुकुम रजा' पुत्र वाहिद रजा खान निवासी लाईन नं0-08, हाल निवासी-वारसी कॉलोनी जवाहरनगर, उम्र-33 वर्ष शामिल है।

प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापक दस हजार की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

काशीपुर(उद संवाददाता)। विजिलेंस की टीम ने एक प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापक को 10 हजार की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ लिया। गुरूवार को दोनों स्कूल के रजिस्टरों की कमियों को उच्च स्तर पर नहीं भेजने के नाम पर रिश्वत मांग रहे थे। टीम घंटों पूछताछ के बाद दोनों को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई। क्षेत्र के एक निजी स्कूल के संचालक ने सतर्कता अधिष्ठान सेक्टर हल्द्वानी को शिकायत कर बताया कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय बांसखेड़ा कला के प्रधानाध्यापक दिनेश शर्मा बांसखेड़ा सीआरसी के प्रभारी भी हैं। वह स्कूल के सहायक अध्यापक अंकुर प्रताप के साथ निजी स्कूलों में चेकिंग के लिए जाते हैं। आरोप है कि एक निजी स्कूल में निरीक्षण के दौरान रजिस्टर जांचने में कुछ खामियां मिलीं। इस पर दोनों ने कमियों को उच्च स्तर पर नहीं भेजने के एवज में 10 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। सीओ विजिलेंस अनिल मनराल ने बताया कि शिकायत मिलने पर ट्रैप टीम का गठन किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए दिनेश शर्मा और अंकुर प्रताप को उनके स्कूल परिसर में ही निजी स्कूल के प्रतिनिधि से 10 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ लिया। शिकायत से संबंधित कुछ दस्तावेज कब्जे में लिए हैं। इनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम तहत केस दर्ज किया जाएगा। वहीं विजिलेंस की कार्रवाई के दौरान मौके पर ग्रामीणों और छात्र-छात्राओं का जमावड़ा लग गया। ये सभी शिक्षकों की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि प्रधानाध्यापक ऐसा कर ही नहीं सकते हैं। उन्होंने जब से यहां तैनाती ली है, स्कूल का कायाकल्प हो गया है। छात्र संख्या बढ़ाने और विद्यालय में अनुशासन बनाए रखने में उनका अहम योगदान है।

भल्ला ज्वैलर्स में नकली सोने की चैन बदलकर दो महिलाएं हुई चंपत

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। मुख्य बाजार स्थित भल्ला ज्वैलर्स को दो महिलाओं ने ठगी का शिकार बनाकर लाखों की चपत लगा दी है। वहीं शातिर महिलाओं के कारनामे से क्षेत्र के व्यपारियों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि युवती समेत दो महिलाएं एक ज्वैलर्स को चपत लगाकर चंपत हो गईं। फरार दोनों महिलाएं करीब एक लाख रुपये की चेन के बदले नकली सोने की चेन दे गईं। ज्वैलर्स ने महिला की चेन को पिघलाकर देखा तो वे नकली निकलीं। ठगी का एहसास होने पर ज्वैलर्स ने पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस दुकान व आसपास के सीसीटीवी खंगालने में जुटी है। बृहस्पतिवार दोपहर मुख्य बाजार पांच मंदिर के पास भल्ला ज्वैलर्स की दुकान पर दो महिलाएं सोने की चेन लेने पहुंची। दुकान स्वामी मनोज भल्ला ने बताया कि महिलाओं ने एक सोन की चेन दिखाकर उसे बदलकर दूसरी चेन लेने की बात कही। इस पर उन्होंने महिलाओं को सोने की चेन दिखाईं। इनमें एक चेन पसंद करने पर उसका मूल्य करीब एक लाख चार हजार रुपये बना। जबकि महिलाओं की चेन का मूल्य एक लाख रुपये था। इस पर महिलाओं ने उन्हें चार हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए और फिर चेन लेकर चली गईं। मनोज ने बताया कि महिलाओं की सोने की चेन को पिघलाकर देखा तो उसमें सिर्फ दस फीसदी ही सोना था। बाकी उस पर धातु लगी थी। इसके बाद उन्हें ठगी का एहसास हुआ। उन्होंने व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय जुनेजा व मनोज छाबड़ा आदि पदाधिकारियों को जानकारी दी। इस पर व्यापारी नेता भी दुकान पर पहुंच गए। बाजार चौकी इंचार्ज पंकज मेहर ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। तहरीर आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दंगे में नहीं साजिशन मारा गया प्रकाश, कांस्टेबल सहित चार गिरफ्तार

हिंसा वाले दिन की गयी हत्या, अश्लील वीडियो बनाकर कांस्टेबल की पत्नी को कर रहा था ब्लैकमेल

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। बनभूलपुरा में गत 8 फरवरी को हुई हिंसा व दंगे के दौरान आंवला गेट के पास गोली लगने से जिस व्यक्ति की मौत हुई थी। वास्तव में उसकी मौत दंगे में नहीं हुई थी बल्कि कांस्टेबल की पत्नी के साथ संबंधों के चलते उसकी हत्या की गयी थी। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कांस्टेबल सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त पिस्टल सहित चार जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा ने बताया कि 9 फरवरी को थाना बनभूलपुरा को सूचना प्राप्त हुयी कि इन्द्रानगर रेलवे फाटक से आगे ऑवला गेट गौला बाईपास मुख्य सड़क पर एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा हुआ है। इस सूचना पर थाना बनभूलपुरा से उनि अनिल कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। उक्त व्यक्ति के पास पाये गये दस्तावेजों से उसकी शिनाख्त 25 वर्षीय प्रकाश कुमार सिंह उर्फ अविराज पुत्र श्याम देव सिंह निवासी छिने गाँव भोजपुर सिन्हा, बिहार के रूप में हुयी। प्राथमिक जांच के आधार पर जाँच अधिकारी द्वारा पाया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा 8 फरवरी की रात्रि प्रकाश कुमार सिंह की हत्या कर दी गयी। जिसके आधार पर थाना बनभूलपुरा में अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया। जिसकी विवेचना थानाध्यक्ष नीरज भाकुनी द्वारा सम्पादित की जा रही है। उन्होंने बताया कि उक्त मामले की जाँच के दौरान विवेचक द्वारा मृतक प्रकाश कुमार सिंह के मोबाईल आदि की जाँच की गयी एंव एसओजी व सर्विलांस की मदद ली

गयी तो यह संज्ञान में आया कि उक्त मृतक युवक का सम्पर्क सितारगंज के किसी युवक से था तथा उत्तराखण्ड के अन्य नम्बर से भी वह वार्ता कर रहा था, जो 8 फरवरी को हल्द्वानी पहुँचा। उक्त सम्पर्क में आये व्यक्तियों की जानकारी कर उनसे पूछताछ की गयी तो पता चला कि सूरज मृतक का लगभग दो ढाई साल से दोस्त था एंव मृतक प्रकाश कुमार सूरज के घर आता जाता रहता था। इसी दौरान प्रकाश कुमार सिंह के अवैध सम्बन्ध सूरज की बहन और कांस्टेबल वीरेन्द्र की पत्नी प्रियंका के साथ बन गये तथा मृतक प्रकाश कुमार वीरेन्द्र की पत्नी के साथ अवैध शारीरिक सम्बन्ध की वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल कर पैसे की मांग करने लगा। प्रियंका ने यह बात अपने पति बीरेन्द्र से छुपा कर रखी लेकिन 7 फरवरी को मृतक द्वारा उसके पति बीरेन्द्र को फोन किया गया। जिसके बाद प्रियंका द्वारा पूरी बात अपने पति को बतायी गयी। तब बीरेन्द्र द्वारा अपनी पत्नी प्रियंका एवं अपने साथी नईम खान उर्फ बबलू के साथ मिलकर प्रकाश कुमार सिंह की हत्या करने की साजिश रची। मृतक उपरोक्त को आरक्षी बीरेन्द्र ने अपनी पत्नी के माध्यम से हल्द्वानी बुलवाया। बीरेन्द्र ने प्रकाश कुमार से अपने मोबाईल से प्रियंका की वीडियो हटाने को कहा। लेकिन प्रकाश कुमार द्वारा मना करने पर आरक्षी बीरेन्द्र ने अपने साथियों के साथ मिलकर 8 फरवरी की शाम प्रकाश की गोली मारकर हत्या कर दी। एसएसपी ने बताया कि अभियुक्त कांस्टेबल बीरेन्द्र व उसके साथियो को पूछताछ जुर्म इकबाल के आधार पर धारा 302 भादवि में गिरफ्तार कर लिया गया। बीरेन्द्र की निशादेही पर हत्या में प्रयुक्त पिस्टल व जिन्दा 4 कारतूस बरामद किए गए। उन्होंने बताया इस हत्या के मामले में जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है उनमें कांस्टेबल. बीरेन्द्र सिंह पुत्र स्व. रघुनाथ सिंह निवासी ग्राम आलावृद्धि पो. औ. नागवा नाथ थाना खटीमा, सूरज बाईन पुत्र पवित्र बाईन निवासी शक्तिफार्म नं0-1, बैकुण्ठ नगर थाना सितारगंज, प्रेम सिंह पुत्र स्व. रविशंकर सिंह निवासी ढौराडाम थाना किच्छा, नईम खान उर्फ बबलू पुत्र स्व. नसीम खान निवासी इन्द्रानगर पश्चिमी वार्ड नं014 उजालानगर, बनभूलपुरा शामिल हैं।

सीडीओ ने किया विकास खण्ड कार्यालय का निरीक्षण

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार ने विकास खण्ड कार्यालय रूद्रपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। सीडीओ ने सर्वप्रथम कार्यालय की उपस्थिति पंजिका कब्जे में लेते हुए उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया गया, यद्यपि कोई कर्मचारी अनधिकृत रूप से अनुपस्थित नहीं पाया गया। इसके बाद प्रत्येक पटल की पत्रावलियाँ का अवलोकन किया गया। पत्रावलियों में पृष्ठ संख्या अंकित न होने पर सम्बन्धित कर्मचारियों को भविष्य हेतु निर्देश दिये गये कि प्रत्येक पत्रावली में पृष्ठ संख्या अंकित होना अनिवार्य होगा। विकास खण्ड परिसर में सफाई व्यवस्था संतोषजनक न पाये जाने पर बीडीओ को व्यवस्था सुधारने

की हिदायत दी गयी। बीडीओ को मनरेगा, आवास सहित अन्य समस्त योजनाओं के लक्ष्य माह फरवरी, 2024 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। सीडीओ द्वारा विकास खण्ड परिसर में नव निर्मित कार्यालय भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने के उपरान्त भी कार्यालय पुराने भवनों में संचालित होने पर कडी नाराजगी व्यक्त की गयी तथा बीडीओ को समस्त औपचारिकताएँ पूर्ण कराकर एक सप्ताह के अन्दर कार्यालय नव निर्मित भवन में संचालित करने के निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त विकास खण्ड परिसर में खडी कूडे की गाडी पर भी बीडीओ को निर्देश दिये गये कि प्रत्येक ग्राम पंचायतवार रोस्टर बनाकर कूडे की गाडी को रोस्टर के अनुसार ग्राम पंचायतों में भेजना सुनिश्चित करें। सीडीओ द्वारा बीडीओ को उक्त निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने सहित निर्देश दिये गये कि प्रत्येक अधिकारी/कर्मचारी समय पर कार्यालय पहुँचकर अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी एवं समयबद्धता के साथ करना सुनिश्चित करें अन्यथा सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही प्रचलित कर दी जायेगी तथा किसी भी कार्य में लापरवाही अथवा विलम्ब स्वीकार्य नहीं होगा।

बहुउद्देशीय सहकारी समितियों के सचिवों को दिया प्रशिक्षण

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। नाबार्ड की सॉफ्टकोब योजना के अन्तर्गत सहकारी प्रबंध संस्थान देहरादून के तत्वावधान में ऊधम सिंह नगर जिले की बहुउद्देशीय सहकारी समितियों एमपेक्स के सचिवों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का

शुभारम्भ ऊधम सिंह नगर डिस्ट्रिक्ट को ऑपरेटिव बैंक के सभागार में जिला सहायक निबंधक सहकारी समिति ऊधम सिंह नगर बी एस मनराल ने किया। इस अवसर पर सहकारी प्रबंध संस्थान देहरादून के निदेशक अनिल कुमार तिवारी ने भी समितियों के व्यवसाय प्रबंधन एवं लाभ में वृद्धि के तरीकों से अवगत कराया।

वृद्धाश्रम में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जनजागृति सेवा समिति द्वारा शांति विहार में संचालित वृद्धा आश्रम में

सीआईई कंपनी के सहयोग से वृद्धजनों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 25 वृद्धजनों के स्वास्थ्य एवं नेत्रों की नि:शुल्क जांच की गयी। डा. मलिक ने समस्त वृद्धजनों के नेत्र एवं स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें दवाईयां भी उपलब्ध कराई साथ ही स्वस्थ रहने के लिए कई सुझाव भी दिये। संस्था की सचिव श्रीमति सीमा सिंह ने सीआईई कंपनी के सीओओ एलएम शुक्ला, एचआर हेड राजीव वर्मा, डीएन भट्ट, डा. मलिक, सीआईई आटो मेडिव इंडिया लि. के समस्त कर्मचारियों का इस सराहनीय कार्य में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस मौके पर एलएम शुक्ला, राजीव वर्मा, डी एन भट्ट, अर्चना, प्रनथ, दीपक, ओमप्रकाश, राजीव सक्सेना, युवराज शर्मा, मनिका अग्रवाल, प्रशांत भंडारी, हेमा, सूरज, पूनम, गौरव, संजय, प्रिया, पूनम पाल, सुमन आदि उपस्थित थे।

ट्रांजिट कैम्प में हाईमाक्स लाइट का शुभारंभ

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। विधायक शिव अरोरा ने ट्रांजिट कैम्प स्थित फुटबॉल मैदान में विधायक निधि से स्वीकृत हाईमाक्स लाइट का बटन दबाकर शुभारंभ किया। ट्रांजिट कैम्प क्षेत्र में बड़े खेल के मैदान के रूप में फुटबॉल ही गिना जाता है जहाँ शाम के समय अधेरा रहने की समस्या का विषय क्षेत्र के लोगो द्वारा विधायक को बताया गया था, जिसको देखते हुए विधायक शिव अरोरा ने फुटबॉल मैदान में हाईमाक्स लाइट लगाने की घोषणा की तो वहीं लोकार्पण करने पहुँचे विधायक शिव अरोरा के बटन दबाते ही फुटबॉल मैदान जगमग नजर आया। विधायक ने बताया लाइट की सुविधा होने से शाम के समय भी लोग उक्त मैदान में घूमने आ सकेंगे वही विधायक ने बताया कि

आने वाले समय मे वह विभिन्न वार्डो में सोलर लाइट लगाने का कार्य भी करने वाले है, निश्चित रूप से किसी भी क्षेत्र के लिये खेल के मैदान में लाइट का होना अत्यंत आवश्यक है तो जिसका लाभ जनता व मैदान में खेलने वाले खिलाड़ियों को भी मिलेगा। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता, प्रीत ग्रोवर, शंकर विश्वास, आदेश भरद्वाज, राजेन्द्र राठौड़, विधान रॉय, विजय डे व अन्य लोग रहे।

आग बुझाने का दिया प्रशिक्षण

रूद्रपुर।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक व मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देश पर अग्नि जोखिम वाले क्षेत्रों में चलाये जा रहे जागरूकता अभियान के तहत अग्निशमन अधिकारी गिरीश सिंह बिष्ट के के नेतृत्व में लीडिंग फायरमैन प्रकाश चंद्र पांडे ने फायर यूनिट को साथ लेकर ट्रांजिट कैंप रुद्रपुर क्षेत्र में जनजागरूकता अभियान

चलाया। इस दौरान स्थानीय लोगों को अग्नि सुरक्षा संबंधी आवश्यक प्रशिक्षण व जानकारियां प्रदान की गई। मौके पर उपस्थित स्थानीय लोगों द्वारा बढ़ चढ़कर उक्त प्रशिक्षण एवं अभियान में हिस्सा लिया। इस दौरान आपात स्थिति में आग बुझाने के गुर सिखाये गये। इस अवसर पर लीडिंग फायरमैन प्रकाश चंद्र पांडे,फायर सर्विस चालक सुंदर सिंह,फायरमैन संतोष कुमार,रिक्रूट फायर वूमन मंजू आदि शामिल थे।

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ प्रदेश स्तरीय बसंतोत्सव शुरू

रामनगर (उद संवाददाता)। बसंत पंचमी पर्व को लेकर पिछले कई वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रगतिशील सांस्कृतिक पर्वतीय समिति पैठपडाव के तत्वाधान में

31 वें बसंतोत्सव का आयोजन पूरे उल्लास के साथ शुरू हो गया है।समिति जहां एक और स्थानीय महिलाओं के लिए ऐपण तथा स्कूली बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तो वहीं कार्यक्रम के दूसरे दिवन उत्तराखंड के अलग-अलग शहरों से आई सांस्कृतिक टीमों के अलावा स्थानीय टीमों द्वारा नगर में सांस्कृतिक जुलूस निकाला गया। इस जुलूस का नगर में कई स्थानों परजोरदार स्वागत किया गया। कलाकारों द्वारा जहां एक और झांकी के माध्यम से पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया गया। कई कलाकारों ने पौराणिक संस्कृति को संजोए रखने का संदेश दिया। आयोजक विनोद पपनै ने बताया कि 17 फरवरी को इस कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शुक्रवार से रंगमंच पर स्थानीय व बाहर से आए कलाकारों द्वारा रंगमंच पर अपनी पौराणिक संस्कृति के साथ ही खोई हुई संस्कृति को बचाने का अलग- अलग नाटकों के माध्यम से संदेश देंगे तथा वर्तमान युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति को बचाने के साथ ही इससे जुड़ने के प्रति जागरूक करेंगे प्रदेश स्तरीय नाटक प्रतियोगिता में जीत दर्ज करने वाली टीमों को नगद धनराशि के साथ ही ट्रॉफी भी प्रदान की जाएगी।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

चुनावी चंदा और पारदर्शिता

राजनीतिक दलों के लिए चंदा लेने के नाम पर चल रही इस व्यवस्था पर तमाम सवाल उठते रहे और इस पर रोक लगाने की मांग भी होती रही। साथ ही इसकी संवैधानिकता के संदर्भ में भी स्थिति स्पष्ट किए जाने की जरूरत महसूस की जा रही थी। अब सर्वोच्च न्यायालय ने साफ तौर पर चुनावी बांड की व्यवस्था को असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया है। अदालत ने यह व्यवस्था दी है कि चुनावी बांड को अज्ञात रखना सूचना के अधिकार और अनुच्छेद 19(1)(ए) का उल्लंघन है और इसके सहारे राजनीतिक पार्टियों को आर्थिक मदद से उसके बदले में कुछ और प्रबंध करने की व्यवस्था को बढ़ावा मिल सकता है। पांच न्यायाधीशों की पीठ में सर्वसम्मति से अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक चुनाव आयोग को जानकारी मुहैया कराएगा और आयोग इस जानकारी को इकतीस मार्च तक वेबसाइट पर प्रकाशित करेगा। चुनावी बांड के रूप में अलग-अलग स्रोतों से धन लेने के मसले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागतयोग्य है और लोकतंत्र बचाने के लिहाज से इसे उम्मीद की एक किरण के तौर पर देखा जा सकता है। दरअसल एक विचित्र तर्क यह भी दिया जा रहा था कि चुनावी बांड की व्यवस्था के जरिए भ्रष्ट तरीके से जमा किए जाने वाले धन पर काबू पाया जा सकता है। जबकि इसमें जिस स्तर पर पारदर्शिता की अनदेखी की जाती रही, वह अपने आप में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का एक परोक्ष तरीका रहा है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान चलाने वाली ज्यादातर पार्टियों को भी इससे कोई गुरेज नहीं था कि चंदे के रूप में धन का गोपनीय तरीके से लेनदेन हो। गौरतलब है कि इस योजना के तहत आम लोगों को यह पता नहीं चल पाता था कि किसने कितने रुपए के बांड खरीदे और किस पार्टी को दिए। हालांकि संबंधित बैंक के पास इसका पूरा ब्योरा होता था कि कितने बांड किसने खरीदा और किस पार्टी को दान में दिया। ये सवाल भी उठे कि चुनावी बांड के जरिए चंदा देने वाले की पहचान चूंकि गुप्त रखी गई है, इसलिए इससे भ्रष्ट तौर-तरीकों से हासिल धन को बढ़ावा मिल सकता है। इसकी एक आलोचना यह भी थी कि यह योजना बड़े कारपोरेट घरानों को उनकी पहचान बताए बिना पैसे दान करने में मदद के लिए बनाई गई थी। विडंबना यह है कि भारतीय राजनीति में चुनावी पारदर्शिता की मांग तो अक्सर की जाती है, मगर इसके लिए जरूरी कारकों को सुनिश्चित करने को लेकर गंभीरता नहीं दिखती है। हैरानी की बात यह भी रही कि इस क्रम में सूचना के अधिकार कानून को भी दरकिनार कर दिया गया था। मगर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से चुनावी बांड की व्यवस्था को सूचना के अधिकार कानून का भी उल्लंघन माना। इस बात की आशंका निराधार नहीं रही है कि बड़ी कारपोरेट कंपनियां किसी पार्टी को मदद के तौर पर धन देने के लिए किस तरह की अघोषित सुविधाओं की मांग कर सकती हैं और ऐसे में चुनावी बांड के जरिए धन मुहैया कराने का नियम किसके लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। इसका सीधा असर लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर पड़ सकता है। अब लोकसभा चुनाव के पहले पारदर्शिता सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिहाज से देखें तो सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को ऐतिहासिक महत्त्व का और याद रखने लायक कहा जा सकता है।

भारत रंग महोत्सव वैश्विक एकता को बढ़ावा देने का सफल प्रयास: महाराज

संस्कृति मंत्री ने किया इंटरनेशनल थियेटर फेस्टिवल 2024 का शुभारंभ

रामनगर(उद संवाददाता)। भारत भूमि में नाट्यशास्त्र भरतमुनि के समय से लोक और शास्त्र के बीच अध्ययन और प्रदर्शन का विषय रहा है। कला साहित्य और संस्कृति हमारे जीवन-दर्शन का हिस्सा है। थिएटर भी इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।उक्त बात प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने गुरुवार को एन०डी०तिवारी ऑडिटोरियम में भारत सरकार के प्रतिष्ठित संस्थान ष्राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एन0एस0डी) के अंतर्गत आयोजित ष्भारत रंग महोत्सव- इंटरनेशनल थियेटर फेस्टिवल-2024 की ओपनिंग सेरेमनी के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग करते हुए कही। उन्होंने कहा कि थियेटर दर्शकों के सामने भावनाओं को जीवंत करने का सशक्त माध्यम है। इसके लिए अत्यधिक अभिनय कौशल और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। फिल्मों के विपरीत, थिएटर में कोई रीटेक नहीं होता है। संस्कृति मंत्री श्री महाराज ने कहा कि जहां तक उत्तराखण्ड की बात है तो यह देवभूमि भी अपने लोक रंग के लिए खास तौर पर जानी जाती है। उन्हें खुशी है कि

भारत रंग महोत्सव के पच्चीसवें वर्ष का यह आयोजन देश के जिन चुनिंदा शहरों में हो रहा है उनमें से देवभूमि का एक स्थान यह भी है। देश के अलग-अलग शहरों में चलने वाले इस 21 दिवसीय थिएटर फेस्टिवल में 150 (एक सौ पचास) से अधिक नाटकों का प्रदर्शन, कार्यशालाएं, चर्चाएं और मास्टर क्लास का कार्यक्रम हमारे संस्कार और संस्कृति दोनों को सशक्त करेगा।उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में भारत ही नहीं बल्कि विदेशी टीमें भी अपने रंगमंच का प्रदर्शन कर रही हैं। इसी कड़ी में यह थिएटर फेस्टिवल, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय तथा शाइनिंग स्टार स्कूल के सहयोग से यहां भी 15 फरवरी से 20 फरवरी तक किया जा रहा है। इस वर्ष के लिए ष्वसुधैव कुटुंबकम-वंदे भारंगमष् को इसकी टैगलाइन बनाया गया है। श्री महाराज ने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के अधिकारियों तथा शाइनिंग स्टार स्कूल के प्रबंधकों को भारत रंग महोत्सव के सफल आयोजन के लिए अपनी बधाई देते हुए कहा कि यह रंगमंच के माध्यम से वैश्विक एकता को बढ़ावा देने, सामाजिक सद्भाव को समृद्ध करने का एक सकारात्मक प्रयास तो है ही साथ ही इसका उद्देश्य कला के माध्यम से विविध संस्कृतियों को एक साथ लाते हुए, एक साझा वैश्विक परिवार की भावना को साकार करना है। इस अवसर पर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के वीसी डा. भरत गुप्ता, श्रीमती माधवी बर्थवाल, संजय मिश्रा और प्रोफेसर रामजी बाली आदि अनेक लोग मौजूद थे।

नई आबकारी को लेकर कांग्रेस ने उठाये सवाल

देहरादून। नई आबकारी को लेकर कांग्रेस लगातार सवाल उठा रही है। कांग्रेस ने इसे लेकर सरकार पर गंभीर आरोप भी लगाए हैं। कांग्रेस का कहना है कि सरकार नई आबकारी नीति से देवभूमि को शराब में डूबाने का काम कर रही है। इस से पहाड़ों पर खुल्ले आम शराब पीने का लाइसेंस दिया जा रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने नई आबकारी नीति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार देवभूमि को शराब में डूबाने का काम कर रही है। इसके साथ ही माहरा ने कहा है कि सरकार प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में खुलेआम शराब बेचने का लाइसेंस दे रही हैकरन माहरा ने कहा कि धामी सरकार के कार्यकाल में आबकारी विभाग ने 36 माइक्रोन के होलोग्राम का टेंडर निकाला है। जबकि जारी गाइडलाइन के अनुसार सिंगल यूज प्लास्टिक 100 माइक्रोन से कम पर संपूर्ण रूप से प्रतिबंध है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि डेढ़ सौ करोड़ के लगभग ये होलोग्राम बनेंगे और ये होलोग्राम प्रदूषण फैलाने का काम करेंगे और जैसी जानकारी है ये सारे 400 साल तक डिस्ट्रॉय नहीं होते हैंउन्होंने कहा कि ऐसे में लगातार हमारा पर्यावरण खराब होता रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में लाल किले से घोषणा की थी कि दो अक्टूबर के दिन से सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ मुहिम चलाई जाएगी। उसके बाद प्रशासन ने ठेहली, रेहड़ी वाले गरीब लोगों पर कार्रवाई करनी शुरू कर दी।पुलिस की इस कार्रवाई से वे काफी परेशान हो गए। लेकिन हैरानी की बात है कि आबकारी विभाग और पॉल्यूशन बोर्ड आज खुद इस होलोग्राम का टेंडर कर रहा है। करन माहरा ने कहा की अब सरकार ने पर्वतीय क्षेत्रों में भी शराब की दुकान को खोलने का निर्णय लिया है उन्होंने कहा है कि प्रदेश की धामी सरकार प्रदेश को शराब में डूबाने का काम कर रही है।

दूसरों के खिलाफ जाना आसान,अपने खिलाफ जाना मुश्किल

संघर्ष या दबाव या भय या प्रतिस्पर्धा सिर्फ कॉलेज में या व्यवसाय में या सांसारिक मसलों में ही है। हम आमतौर पर बस ऐसे ही छवि भर बना लेते हैं। हमें लगता है कि एक तो सांसारिक तल है, इसमें बड़ा घर्षण है, बड़ी रस्साकशी है, बड़े संघर्ष हैं, भय का सामना करना पड़ता है, जोर लगाना पड़ता है, मेहनत करनी पड़ती है।इन सब बातों को हम जोड़ देते हैं बाहर की दुनिया से; चाहे वो कॉलेज की दुनिया हो, चाहे वो नौकरी की दुनिया हो, व्यापार की दुनिया हो। और इसके विपरीत हम छवि बना लेते हैं अध्यात्म की दुनिया की।वहाँ हम कहते हैं कि बस प्रेम है, समन्वय है, सहिष्णुता है, आनन्द-ही-आनन्द है। तो कई बार अगर बात को ठीक से समझा नहीं है, इन दोनों ही जगतों से पूरा परिचय नहीं है, तो हमें ऐसा लगने लग जाता है कि बाहर की दुनिया को छोड़कर आध्यात्मिक दुनिया में प्रवेश करेंगे तो सब दबाब, तनाव, संघर्ष से निजात मिल जाएगी।ऐसा बिलकुल नहीं है। दबाव और संघर्ष और श्रम अध्यात्म में भी उतने ही करने पड़ते हैं जितने कि संसार में। बल्कि अगर संसार में तुम थोड़ा सा ही श्रम करके काम चला लेते हो, तो अध्यात्म में तो बहुत सारे श्रम की जरूरत पड़ने वाली है। प्रतिस्पर्धा अगर संसार में है तो प्रतिस्पर्धा अध्यात्म में भी है। ये बात थोड़ी सी हो सकता है चौंकाए, लेकिन ऐसा ही है।?बस अन्तर इतना है कि संसार में तुम दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हो और अध्यात्म में तुम अपने ही खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हो। संसार में तुम दूसरे के खिलाफ संघर्ष करते हो और अध्यात्म में तुम्हें अपने ही विरुद्ध संघर्ष करना होता है। तो बात ये नहीं है कि बाहर की दुनिया में तो बड़ा तनाव और दबाव है और अध्यात्म के जगत में नहीं है। अध्यात्म के जगत में भी है, बस उसकी श्रेणी, उसकी गुणवत्ता अलग है। दबाव तुम बाहर भी झेलते हो और दबाव तुम्हें अध्यात्म में भी झेलना पड़ेगा। पर उस दबाव और इस दबाव की श्रेणी में, गुणवत्ता में अन्तर होता है।बाहर तुम दबाव झेलते हो कुछ और अतिरिक्त हासिल कर लेने के लिए और अध्यात्म में तुम दबाव झेलते हो क्योंकि तुमने जो कुछ भी व्यर्थ हासिल कर लिया होता है उसे छोड़ना आसान नहीं होता है। तुम उसे छोड़ने की कोशिश कर रहे हो, वो छूटना चाह नहीं रहा है, वो तुम पर दबाव बना रहा है कि मुझे मत छोड़ो। बाहर दबाव रहता है कि मुझे पाओ, मुझे पाओ, मुझे पाओ। और अध्यात्म में वो जिसको तुमने नाहक पा लिया है वो दबाव बनाता है कि मुझे मत छोड़ो।तो वो सब गुण जो तुमको दुनिया में सफल होने के लिए चाहिए, वो सब गुण तुम्हें अध्यात्म में भी सफल होने के लिए चाहिए। हाँ, अध्यात्म में अगर सफल होना है तो तुम्हें कुछ और, कुछ अतिरिक्त गुण भी चाहिए होंगे।बाहर सफल होने के लिए तुम्हें सिर्फ संघर्ष और श्रम करना पड़ता है और बुद्धि लगानी पड़ती है। भीतर सफल होने के लिए तुम्हारे पास सिर्फ संघर्ष और श्रम नहीं चाहिए, विवेक भी चाहिए। पता तो हो तुम किसके खिलाफ संघर्ष कर रहे हो। भीतर सफल होने के लिए तुम्हें सिर्फ बुद्धि नहीं चाहिए, तुम्हें ये भी पता होना चाहिए कि बुद्धि को संचालित कौन कर रहा है,तो भीतर की दुनिया, अध्यात्म का जगत कोई आसान नहीं है। ऐसा नहीं है कि बाहर जो हारे हुए लोग होंगे, वो भीतर आकर जीत जाएँगे। बल्कि बाहर की दुनिया में सफल होना तो फिर भी आसान है, भीतर की दुनिया में सफल होना मुश्किल है।बाहर सफल होने के लिए, मैंने कहा, आपके पास जो-जो योग्यताएँ होनी चाहिए, भीतर सफल होने के लिए वो सब योग्यताएँ तो चाहिए-ही-चाहिए, उन योग्यताओं के अतिरिक्त भी कुछ चाहिए। विवेक चाहिए, अन्तर्दृष्टि चाहिए, स्वयं की ओर देखने वाली आँख चाहिए, अन्तर्गमन चाहिए, चीजों को गहराई से समझने की नीयत चाहिए, सच के प्रति निष्ठा चाहिए। तो ये विचार बिलकुल मन से हटा दें कि बाहर नहीं जीत पाये तो भीतर जीत लेंगे।बाहर लड़ना पड़ता है दुनिया में, जिसको देखो वही संघर्षरत है। भीतर और ज्यादा लड़ना पड़ता है। सच्चा आध्यात्मिक आदमी तो लगातार जूझ रहा होता है। उसके संघर्ष का तो कोई अन्त ही नहीं। क्योंकि उसे किसके खिलाफ लड़ना है? अपने ही खिलाफ। बाहर तो तुम फिर भी किसी से लड़ आये, हो सकता है जीत भी जाओ। हो सकता है सिर्फ दिनभर उतने ही वक्त संघर्ष चलता हो जितने समय तुम काम में, दफ्तर में, कारोबार में हो। अपने खिलाफ संघर्ष तो दिन के आठ-दस घंटे नहीं चौबीस- के-चौबीस घंटे चलता है।तो कमजोर लोगों के लिए अगर सफलता की सम्भावना दुनिया में नहीं है, तो आंतरिक जगत में तो बिलकुल ही नहीं है। ये तो फिर भी हो सकता है कि कुछ कमजोरियाँ बचाये रखकर के भी तुम दुनिया में सफल हो जाओ। बहुत लोग होते हैं जिनमें तमाम कमजोरियाँ होती हैं, फिर भी दुनिया में हमें सफल दिखायी देते हैं। दुनिया में सफलता का क्या मतलब होता है? अपना नाम बना लिया, पैसा कमा लिया, दस लोगों से सम्मान पा लिया, कोई ऊँची पदवी मिल गयी। यही सब दुनिया में सफलता की निशानियाँ होती हैं।तो ये तो हो सकता है कि तुममें दस-बीस कमजोरियाँ हैं फिर भी तुम्हें दुनिया में सफलता मिल जाए, ऐसा बिलकुल हो सकता है। ऐसा होता ही है। लेकिन दस-बीस छोड़ दो, तुममें अगर अभी एक भी कमजोरी बाकी है, दुर्बलता जरा भी तुममें अभी शेष है तो तुम भीतर के जगत में सफल नहीं हो सकते। अध्यात्म तो इतनी कड़ी शर्त रखता है। कहता है कि जब तक तुमने अपनी आखिरी कमजोरी भी जीत नहीं ली, मिटा नहीं दी, तब तक तुम विजेता नहीं माने जा सकते। तो अध्यात्म इसीलिए बड़े सूरमाओं के लिए है, बड़े हिम्मतवर लोगों के लिए है।कुछ मोटिवेशनल बातें सुनकर तुम्हें तनाव से शान्ति मिलती है।' अच्छी बात है। पर अभी तुमने पहला कष्दम लिया है। मैं जिस शान्ति की बात करता हूँ, मैं जिस शान्ति की तरफ तुमको प्रेरित करता हूँ, वो कोई सस्ती शान्ति नहीं है, बहुत महँगी शान्ति है। वो पाने के लिए बड़ी मेहनत करनी पड़ती है। उसको पाने के लिए बहुत संघर्षों से गुजरना होगा।वो दूर से देखने में हो सकता है तुमको बड़ी सुलभ लगे, बड़ी आकर्षक लगे। पर जैसे-जैसे तुम उसके निकट आओगे, जैसे-जैसे तुम कहोगे कि मुझे ये शान्ति अपने जीवन में लानी है, तुम पाओगे तुम्हारा रास्ता मुश्किल होता जाएगा।ये मेरी बातें सिर्फ बातें नहीं हैं कि जिनको सुनकर तुम थोड़ी देर के लिए तनावमुक्त हो जाओ, तुम्हें थोड़ी राहत, थोड़ा सुकून मिल जाए। मेरी ये बातें शान्ति से पहले क्रान्ति का आवाहन हैं। ये आंतरिक युद्ध का शंखनाद है। और कोई इन्हें अगर ध्यान से सुनेगा तो उसे क्रान्ति में कूदना ही पड़ेगा। और जब क्रान्ति में कूदोगे तब मैं पूछूँगा कि दुनिया में जितना संघर्ष कर रहे थे, दुनिया में जितनी लड़ाई चल रही थी, अब बताओ , उससे कम चल रही है कि ज्यादा चल रही है। और तुम कहोगे, 'दुनिया में तो कुछ भी नहीं था। अब जो मार-पीट शुरू हुई है, ये तो कई गुना ज्यादा है।'दूसरों के खिलाफ लड़ना कहीं ज्यादा आसान है अपने खिलाफ लड़ने से। दूसरों को कुछ सिद्ध कर देना, जता देना, साबित कर देना कहीं ज्यादा आसान है अपनी ही साक्षी दृष्टि के सामने अपनी सत्यता प्रमाणित करने से। दूसरों को तो बहुत होता है न, कि जता आते हो कि हम बड़े आदमी हैं, हम बड़े सच्चे आदमी हैं, हम बेहतर, बढ़िया आदमी हैं। ये आसान है। खुद्द को ये प्रमाणित करो तो जानें। अध्यात्म का मतलब है किसी और के सामने कुछ नहीं प्रमाणित करना। तुम अपने निर्णेता स्वयं हो।साक्षी आत्मा ही न्याय करेगी और वो सब जानती है, सब देख रही है। उससे क्या छुपा है! जब उससे कुछ भी नहीं छुपा तो उससे तुम्हारा छोटे-से-छोटा दोष भी छुपा है क्या? दूसरों के सामने तो अपने दोष छुपा जाओगे, खुद्द से कैसे छुपाओगे? तो ज्यादा मुश्किल क्या है ख़ दुनिया के सामने बड़े बन जाना या वास्तव में बड़े हो जाना? बोलो। तो अध्यात्म का ताल्लुक वास्तविकता से है, दुनिया के सामने कुछ सिद्ध करने से नहीं। इसीलिए तो तुम समझ रहे होगे कि ज्यादातर लोग अध्यात्म से घबराते क्यों हैं, असली अध्यात्म से। नकली अध्यात्म तो बड़ा आकर्षक होता है, उसकी ओर तो बहुत भाग जाते हैं। असली अध्यात्म से लोग घबराते क्यों हैं? क्योंकि मुश्किल है, कठिन है, ईमानदार है। वहाँ चोरी नहीं चलती, वहाँ बेईमानी का कोई काम नहीं, वहाँ दिखावे से बात नहीं बनेगी। वहाँ वास्तविकता सामने आती है। है न? तो जो लोग दुनिया की लड़ाइयों में खप-पच रहे हैं, उनसे मैं कहता हूँ कि भाई लड़ तो रहे ही हो, असली लड़ाई लड़ लो। हाँ, असली लड़ाई थोड़ी और मुश्किल जरूर पड़ेगी। पर कम-से-कम तुम्हें उसमें कुछ असली लाभ भी होगा।नकली लड़ाई लड़ो या झूठी और ओछी लड़ाई लड़ो जिसमें मेहनत तो कम लगे लेकिन हासिल कुछ न हो और समय भी बर्बाद हो जाए, ये बेहतर है या असली लड़ाई लड़ना, जिसमें श्रम ज्यादा लगेगा, अनुशासन ज्यादा लगेगा, दर्द भी ज्यादा होगा, लेकिन जो हासिल होगा वो सच्चा होगा, पाँच रुपये में जहर मिल रहा हो और पचास रुपये में अनार का रस, तो अनार का रस ये कहकर ठुकरा दोगे कि महँगा है? भाई वो पाँच ही रुपये का है लेकिन वो तुम्हें बर्बाद कर देगा। बाहर की लड़ाई लड़ने में आसान है, सस्ती है, पाँच रुपये वाली है, लेकिन तुम्हें बर्बाद कर देगी। जहर है। उसमें पाँच रुपये भी गँवाओगे और बदले में जहर पाओगे। असली लड़ाई महँगी है पर उसमें वास्तविक लाभ होगा।जो भीतर अपने नहीं देख रहा उसे बाहर उलझना ही पड़ेगा। उसके लिए एक विवशता बन जाएगी, अनिवार्यता बन जाएगी। क्यों? क्योंकि अगर तुम भीतर नहीं देख रहे तो आँखें खुद्द ही लगातार किधर को देख रही हैं? कान खुद्द ही लगातार किधर को सुन रहे हैं? तो बाहर वाला काम तो बिना तुम्हारे संकल्प, बिना तुम्हारी इच्छा के भी खुद-ब-खुद चल ही रहा है न। भीतर उतरने के लिए मेहनत करनी पड़ती है। बाहर उतरने के लिए कुछ नहीं करना पड़ता। हमारा जैसा निर्माण हुआ है, हम बाहर के तो हैं ही, बाहर वाला काम तो स्वयमेव चलता है। भीतर वाला काम मेहनत से चलता है। उसके लिए कुछ अतिरिक्त प्रयत्न करना पड़ता है। बाहर वाला तो चलता ही रहेगा, भीतर वाला काम करो। जब भीतर वाला काम सही चलता है, तो तुम पाते हो कि बाहर वाला काम बहुत आसान हो गया। जो बड़ी लड़ाई लड़ रहा है और बड़ी लड़ाई जीत रहा है उसके लिए अब छोटी लड़ाई कैसी हो जाएगी? बच्चों का खेल। उसको तो बहुत आसानी से जीत लेगा न। भीतर वाली लड़ाई जीत लो, बाहर की सब लड़ाइयाँ तुम पाओगे कि तुम्हारे लिए बहुत आसान हो गयी हैं।

आचार्य प्रशांत, वेदान्त मर्मज्ञ, लेखक, पूर्व सिविल सेवा अधिकारी, संस्थापक प्रशांत अद्वैत फाउंडेशन

दिव्यांग लोगों को मिले बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था

शिविर लगाकर दिव्यांगों और बुजुर्गों को वितरित किए जीवन सहायक उपकरण

बागेश्वर(उद संवाददाता)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय व जिला प्रशासन समेत एल्मिको के तत्वाधान में दिव्यांगों व वरिष्ठ नागरिकों को जीवन सहायक उपकरण वितरण का वृहद शिविर आयोजित हुआ। शिविर का वर्चुअल शुभारंभ केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार द्वारा किया गया। नुमाइखेत मैदान में शिविर का शुभारंभ जिपं अध्यक्ष बसंती देव, दर्जा राज्य मंत्री शिव सिंह बिष्ट, जिलाधिकारी अनुराधा पाल व जिलाध्यक्ष भाजपा इंद्र सिंह फर्स्वाण ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान 390 दिव्यांगों व वरिष्ठ नागरिकों को 1940 विविध उपकरण वितरित किए गए। साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान भागीदारी की शपथ दिलाई गयी। शिविर का शुभारंभ करते हुए जिपं अध्यक्ष बंसती देव ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के हित के लिए कार्य कर रही है। इसके लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है। दर्जा राज्य मंत्री शिव सिंह बिष्ट ने बागेश्वर में शिविर लगाये जाने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में इस तरह के शिविर आयोजित किए जाएंगे। जो लाभार्थी छूट गये है उनसे आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करके लाभ प्रदान किया जायेगा। जिलाधिकारी अनुराधा पाल ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। उन्होने वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन व किसान सम्मान निधि आदि का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि छूटे हुए लाभार्थियों के लिए समाज कल्याण के माध्यम से शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिसमें लाभार्थी अपना पंजीकृत करा सकते है। इस दौरान समाज कल्याण अधिकरी हेम तिवारी ने बताया कि पूर्व में चयनित 390 लाभार्थियों को वयोश्री एवं एडिप योजना के तहत एक मोटोराइज्ड ट्राईसाइकिल, छः ट्राईसाइकिल, 130 व्हील चेयर, 99 डेन्चर, 33 बैसाखी, 336 वॉकिंग स्टीक, 446 बीटीई (कान की मशीन), 26 सवाईकल कॉलर, 130 सिलिकांन फोम तकिया, 15 स्पाइनल सपोर्ट बेल्ट, 20 वॉकर, दो रोलेटर, पांच ब्रेल स्मार्ट केन, 446 घुटने के ब्रेसिज, 220 एलएस बेल्ट, दो स्मार्ट फोन तथा 23 फुट केयर किट सहित 1940 जीवन सहायक उपकरण वितरण किए गए। साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान भागीदारी की शपथ दिलाई गई। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी, रेडक्रास चेयरमैन संजय शाह जगाती, आलोक भंडारी, एल्मिको के अरविंद कुमार सिंह, कनिका व लाभार्थी मौजूद थे।

स्विफ्ट डिजायर कार से गांजे की बड़ी खेप बरामद

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। नशे के खिलाफ अभियान में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। देघाट पुलिस ने स्विफ्ट डिजायर कार से गांजे की बड़ी खेप बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की कीमत 10 लाख से अधिक आंकी गयी है। एसएसपी देवेन्द्र पींचा के निर्देश पर जिले में नशा तस्करों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत थानाध्यक्ष देघाट राहुल राठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र वल्मरा से देघाट की तरफ वापस आते समय एक कार को रोकने का प्रयास किया तो चालक पुलिस की गाड़ी को देखकर अपनी गाड़ी बंद करके गाड़ी को मौके पर छोड़कर बबलिया रोड की तरफ भाग गया। संदिग्ध प्रतीत होने पर थानाध्यक्ष राहुल राठी के निर्देश पर पुलिस कर्मियों ने कार छोड़कर भागे चालक का पीछा किया। फरार अभियुक्त अय्यूब खान पुत्र नाजर अली निवासी किदवई नगर, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश को पुलिस ने कुछ घंटों के बाद हरलाल वर्मा इंटर कॉलेज भाकुड़ा के नीचे रोड से गिरफ्तार कर लिया। स्विफ्ट डिजायर कार में 4 बैंगो में कुल 69.656 किलोग्राम गांजा' बरामद हुआ। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष के अलावा हेड कांस्टेबल मनोज पाण्डे, सुरेन्द्र कुमार, अमित यादव, कांस्टेबल नीरज बिष्ट आदि शामिल थे।

वृद्ध पिता ने बेटे बहू के खिलाफ दर्द कराया मारपीट का मुकदमा

काशीपुर(उद संवाददाता)। गाली गलौज मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के एक मामले में पुलिस ने 75 वर्षीय एक वृद्ध की तहरीर पर उसके पुत्र के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करते हुए मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर मोहल्ला महेशपुर निवासी सरफराज पुत्र शमसुद्दीन ने बताया कि वर्तमान में उसकी उम्र लगभग 75 वर्ष है। बताया कि उसके पुत्र इरशाद एवं पुत्रवधू रुखसाना द्वारा आए दिन उसके साथ मारपीट की जाती है। रोज-रोज की फसाद से तंग आकर उसने दोनों को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसके बहू बेटे कुछ दिन तक तो बाहर किराए पर रहे लेकिन इसके बाद उन्होंने अपनी गलती स्वीकार करते हुए भविष्य में इसकी दोबारा पुनरावृत्ति न होने की कसम खाई। और वृद्ध पिता की सेवा का भी वचन दिया। पुत्र एवं पुत्रवधू के इस व्यवहार पर विश्वास कर शिकायतकर्ता ने उन्हें अपने साथ रख लिया। कुछ दिन तक ठीक-ठाक रहने के बाद दंपति ने एक बार फिर से वृद्ध के साथ मारपीट करते हुए उसका उत्पीड़न शुरू कर दिया। हद तो तब हो गई जब कलयुगी पुत्र ने पत्नी से हमसाज होकर पिता को धक्के मारकर घर से बेघर कर दिया। पुलिस को दी तहरीर में शिकायतकर्ता वृद्ध ने अपने ही बहू बेटे से जान का खतरा बताते हुए कार्यवाही की गुहार लगाई।

विधायक ने पंजीकृत श्रमिकों को बांटी सामग्री किट

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। उत्तराखंड भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत श्रम कार्ड धारकों को विधायक शिव अरोरा द्वारा किट वितरित की गयी। सेवायोजन कार्यालय में श्रम विभाग द्वारा आयोजित किट वितरण कार्यक्रम जिसका शुभारंभ विधायक शिव अरोरा ने किया श्रम विभाग द्वारा पंजीकृत श्रमिको को किट जिसमें कंबल, छाता ,सैनेटरी नेपकिन सामग्री शामिल हैं। विधायक शिव अरोरा ने कहा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सौजन्य से हमारे मजदूर वर्ग के हित को ध्यान में रखते हुए उनको किट वितरण करने हेतु कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिसमें विधायक शिव अरोरा द्वारा रुद्रपुर मुख्यालय लगभग 500 से अधिक लोगो को किट वितरित किया गया। विधायक अरोरा ने कहा कि उनकी विधानसभा रुद्रपुर में 8 हजार से अधिक पंजीकृत श्रमिकों को किट बाटी जानी है जिसका शुभारंभ आज कर दिया गया हैं। पूरे जिले में 35 से 40 हजार तक पूरे जनपद में श्रमिकों को किट बाटी जानी है। विधायक ने कहा हमारी सरकार गरीब मजदूर से लेकर सभी वर्गों का ख्याल रखती है व उनके हितों को ध्यान मेंरखतेहुए उनके सम्मान मेंकिट वितरण की गयी है इस दौरान कार्यक्रम मेंसहायक श्रमायुक्त दीपक कुमार, लेबर स्पेक्टर बलराम सिंह,भाजपा नेता सुशील गाबा, मण्डल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता, राधेश शर्मा ,सोनू अनेजा,किरन विर्क ,पार्षद कैलाश राठौड़ ,पार्षद निमित शर्मा, सुरेश शर्मा, डी के गंगवार,राजेंद्र राठौड़, मयंक कक्कड़ व अन्य लोग मौजूद रहे।

बनभूलपुरा मामले की हाईकोर्ट के जज से कराई जाए जांच

हल्द्वानी(उद संवाददाता)।भाकपा माले के राज्यव्यापी आह्वान के तहत माले की राज्य कमेटी के सदस्य के के बोरा और जिला सचिव डा कैलाश पाण्डेय द्वारा उपजिलाधिकारी कार्यालय हल्द्वानी के माध्यम से राज्य के मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में कहा गया कि 8 फरवरी को हल्द्वानी के वनभूलपुरा में हुई हिंसा की घटना बेहद अफसोसजनक और निंदनीय है। एक संवेदनशील मामले को बेहद अपरिपक्वता, अदूरदर्शिता और संवेदनहीनता से हल करने की कोशिश की गयी, जिसके नतीजे के तौर पर यह अफसोसजनक घटना हुई। निश्चित ही यह प्रशासनिक मशीनरी की विफलता है कि वह हिंसा रोकने में नाकामयाब रही। पारिस्थितियां और तथ्य तो यह बता रहे हैं कि ऐसे हालात पैदा होने की तमाम चेतावनियों को अनदेखा किया गया।इसलिए इस भीषण घटना की जिम्मेदारी प्रशासन और पुलिस के अफसरों पर आयद करते हुए नैनीताल जिले की जिला मजिस्ट्रेट और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को तत्काल निर्लंबित करते हुए हटाया जाना चाहिए। उनके स्थान पर कुशल, परिपक्व और संवेदनशील अफसरों को नियुक्त किया जाना चाहिए।इस पूरे प्रकरण में जिस अफसर की भूमिका सर्वाधिक सवालों के घेरे में हैं। ज्ञापन में आगे कहा गया कि, वनभूलपुरा में हुई हिंसा की घटना अभूतपूर्व है। आज तक राज्य में इस तरह की घटना नहीं हुई है। इसलिए इस घटना की स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की आवश्यकता है। उत्तराखंड सरकार ने कुमाऊं मंडल के कमिश्नर से इस घटना की जांच कराने का निर्णय लिया है। लेकिन घटना की गंभीरता को देखते हुए यह अपर्याप्त है। हमारी यह मांग है कि घटना की जांच माननीय उच्च न्यायालय की निगरानी में उच्च न्यायालय के सेवारत अथवा सेवानिवृत्त न्यायाधीश से करवाई जाए।

इंटरनेट सेवा सुचारू करने की मांग

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। समाजिक कार्यकर्ता हेमन्त साहू ने सिटी मजिस्ट्रेट दफ्तर में ज्ञापन सौंपकर राजेन्द्र नगर राजपुरा में इंटरनेट सेवा पूरी तरह सुचारू करने की मांग करते हुए ज्ञापन में कहाँ गया कि शीघ्र बोर्ड के एग्जाम है वर्तमान समय मे भी परीक्षा चालू है इंटरनेट सेवा बाधित होने से इलाके के लोगों को भारी परेशानी का समाना करना पड़ रहा है।इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता प्रीती आर्या ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुये उपद्रवियों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की मांग करते हुये पत्रकारों व नगर निगम के घायल कर्मचारियों को उचित मुवाअजा दिये जाने की बात मांग की है।

पेज एक का शेष...

भारत बंद का मिला जुला...पुलिस ने शंभू बॉर्डर पर ही किसानों को रोक दिया था। यहीं किसानों ने डेरा डाल रखा है। किसानों ने बताया कि हार्ट अटैक के बाद किसान को राजपुरा अस्पताल ले जाया गया। हालांकि डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर पर बैरिकेडिंग लगाई गई है। यहां 70 प्रतिशत सड़क बैरिकेडिंग से बंद की गई है। इसके चलते भारी जाम है। यहां मिनटों का सफर लोग घंटों में तय कर रहे हैं। पंजाब और हरियाणा समेत उत्तर प्रदेश में भारत बंद का मिला जुला असर देखने को मिला।

भारत बंद के समर्थन...द्वारा की जा रही दमनात्मक कार्यवाही पर रोष व्यक्त किया और दमनात्मक कार्यवाही में शामिल अधिकारियों के निलंबन की मांग की। किसान नेताओं ने कहा कि किसानों मजदूरों पर होने वाले अत्याचार को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। इसके खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा। किसानों ने केन्द्र सरकार से सभी फसलों की एमएसपी खरीद की गांटी का कानून बनने, किसानों की सम्पूर्ण कर्ज मुक्ति, श्रमिकों के लिए 26 हजार रूपये प्रतिमाह न्यूनतम वेतन लागू करने, श्रमिकों पर लादे गये चार श्रम कानून संहितों को निरस्त करने, रोजगार की गारंटी का मौलिक अधिकार, पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने, रेलवे, रक्षा, बिजली सहित सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण बंद करने, नौकरियों का संविदाकरण बंद करने, प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 200 दिन का काम और 600 रूपये प्रति देनिक मजदूरी के साथ मनरेगा को मजबूत करने, प्रत्येक किसान परिवार को दस हजार रूपये मासिक पेंशन देने, औपचारिक और अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में सभी के लिए पेंशन और सामाजिक सुरक्षा लागू करने, भारतीय न्याय संहिता की धारा 104 को खत्म करने, एलएआरआर अधिनियम 2013 (भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013) को लागू करने, बिजली संशोधन विधेयक 2022 को वापस लेने, अजय मिश्रा टेनी को बर्खात कर मुकदमा दर्ज करने, केरल की तरह 13 सब्जियों की एमएसपी पर खरीद का कानून बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीयकृत बैकों के माध्यम से होमलोन की सुविधा उपलब्ध कराने, कृषि यंत्रों पर लगने वाले जीएसटी को खत्म करने की पुरजोर मांग की। धरना प्रदर्शन में किसान नेता तजेन्दर सिंह विर्क, गुरवीर सिंह विर्क, हरजीत सिंह, गगनदीप सिंह, हरपाल सिंह चीमा, जोबल सिंह चीमा, सर्वदयाल सिंह, जसवीर सिंह, जरनैल सिंह, गुरचरण सिंह, हरविंदर सिंह विर्क, दलेर सिंह, गुरजीत सिंह, बसंत सिंह, जसपाल सिंह, गुरजीत सिंह, बलदेव सिंह, सतनाम सिंह, बलविंदर सिंह, आकाश सिंह,गुरनाम सिंह धारीवाल, श्रवण सिंह भट्टी, रणजीत सिंह, सतनाम सिंह, प्रगट सिंह, गुरदीप सिंह, हीरा सिंह, अमृतपाल सिंह, गुरजीत सिंह, कुलदीप सिंह आदि शामिल थे।

पंचायती राज व्यवस्था को ..को प्रस्ताव भेजा गया है। पंचायतों के विकास और सशक्तिकरण के लिए 15वें वित्त आयोग से प्रदेश को अब तक टाइड फण्ड से 933 करोड़ अनटाइड फंड से 718 करोड़ सहित कुल 1651 करोड़ की धनराशि प्राप्त हुई है। महाराज ने कहा कि जन आकांक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्ग दर्शन में सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और कमजोर वर्ग के उत्थान के लिए चलाई जा रही विकास योजनाओं के सफल संचालन के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। पंचायतीराज व्यवस्था की मजबूती के लिए निर्वाचित जनप्रतिनिधि अधिकारी एवं कर्मचारी की अपनी भूमिका का जिम्मेदारी से निर्वहन कर सकें व गांवों का सर्वांगीण विकास हो, इसी मूल भावना को देखते हुए पंचायती राज विभाग द्वारा समस्त निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों एवं कार्मिकों का लगातार क्षमता विकास किया जा रहा है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक पुस्तकालय की स्थापना करना भी राज्य सरकार का लक्ष्य है। जिससे ग्रामीण जनों एवं विशेषकर बच्चों के सीखने की क्षमता , जानकारी एवं ज्ञान में अविवृद्धि होगी। सरकार ने ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने की भी पहल की है इसके तहत ग्राम पंचायतों की खाली भूमि पर पार्किंग बनाने, कूड़ा करकट, गंदगी आदि को घर से एकत्र करने, सॉलिड वेस्ट मेनेजमेंट करने, सड़कों की सफाई, मृतक पशुओं को हटाने, कूड़ादान, व्यक्तिगत व सामुदायिक कूड़ा निस्तारण आदि के लिए निर्धारित शुल्क वसूलकर पंचायतों की आय में वृद्धि होगी। ग्राम प्रधानों का मानदेय 1500 से बढ़ाकर 3500 किया गया है। त्रिस्तीरय पंचायतों के अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों के मानदेय में वृद्धि का प्रस्ताव भी शासन स्तर पर विचाराधीर है। इस अवसर पर विधायक शिव अरोरा, जिला पंचायत अध्यक्ष रेनू गंगवार, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, महामंत्री अमित नारंग, प्रदेश महामंत्री प्रधान संगठन राजेन्द्र सिंह बिष्ट, जिला मंत्री जगदीश विश्वास, राजीव कुमार त्रिपाठी आदि समेत कई लोग मौजूद थे।

25 वारंटी किये...धौराडाम नजीमाबाद थाना किच्छा, बलवीर सिंह पुत्र बहादुर सिंह निवासी अमर सिंह लाईन धौराडाम, सोहन सिंह पुत्र जीत सिंह निवासी धौराडाम , कृष्णा उर्फ किशन पुत्र रामू निवासी डम्पी फार्म, मंगल सिंह पुत्र दिलेर सिंह निवासी जीरोबन्दा धौराडाम, मंगल सिंह पुत्र कुलवन्त सिंह निवासी अमर सिंह लाईन धौराडाम, बूटा सिंह पुत्र इन्दर सिंह निवासी धौराडाम नजीमाबाद, बलजीत सिंह पुत्र कुलवन्त निवासी धौराडाम नजीमाबाद, आनन्द पुत्र मटरू लाल निवासी वार्ड नं0 7 ट्रक यूनियन वाली गली किच्छा ,आरिफ पुत्र छोटन निवासी इन्द्रानगर सिरौलीकंला पुलभट्टा, राशिद पुत्र नवी अहमद निवासी वार्ड नं0 9 इन्द्रानगर जनता विद्यालय के पास किच्छा, गुरदीप सिंह पुत्र गुरचरण सिंह निवासी ग्राम लालपुर, आनन्द गोपाल उर्फ नन्दू पुत्र कन्हैय्या लाल निवासी ग्राम भूड़ा देवरिया लालपुर, इम्तयाज पुत्र मुन्ने निवासी वार्ड नं0 18 , इरफान पुत्र पुत्तन निवासी सुनहरी, दीपक सक्सेना पुत्र दिनेश सक्सेना निवासी आर्य समाज मन्दिर बाली गली रुद्रपुर रोड किच्छा, नन्हे लाल पुत्र श्री सुन्दर लाल निवासी वार्ड नं0 16 किच्छा,संजय पुत्र रामप्रसाद उम्र 19 वर्ष निवासी दीदार सिंह के फार्म में चीनी मिल किच्छा, गुड्डू पुत्र घनश्याम नवासी वार्ड न0 12 पुरानी गल्ला मण्डी निकट रेलवे स्टेशन किच्छा , नरेश पुत्र दोदी निवासी क्रिश्चियन मौहल्ला वार्ड नं0 13,जितेन्द्र सिंह पुत्र जसवन्त सिंह निवासी ग्राम- छिनकी, आरती पत्नी नरेश निवासी क्रिश्चियन मौहल्ला वार्ड नं0 13, कमलेश उर्फ पनका पत्नी सतपाल निवासी क्रिश्चियन मौहल्ला वार्ड नं0 13 किच्छा , संध्या पत्नी सुरेश निवासी क्रिश्चियन मौहल्ला वार्ड नं0 13 निकट जनता इण्टर कालेज किच्छा एवं मोनिका उर्फ कूलर पुत्री दोदी निवासी क्रिश्चियन मौहल्ला वार्ड नं0 13 किच्छा आदि शामिल हैं। पुलिस टीम कोतवाल सुंदरम शर्मा समेत 16 पुलिस कर्मी शामिल रहे।

सरकारी पेड़ काटने..कदम के पेड काटकर पिकप वाहन में भरकर बिलासपुर मोहम्मद करीम की टाल में बेच दिये थे। जिसके उन्हें 15 हजार रूपये मिले जो आपस में बाँट लिये थे। खष्टी बल्लभ व अभिषेक की निशानदेही पर बिलासपुर में हिन्दुस्तान धर्मकांटा वाले टाल पर से मो. करीम पुत्र सकील खान निवासी बीसारतनगर वार्ड नं0 9 थाना बिलासपुर के कब्जे से कदम के पेड़ के 22 गिल्टे बरामद किये गये। ततपश्चात : मुखबिर की सूचना पर चीनी मिल किच्छा से वांछित संजय पुत्र राम प्रसाद निवासी चीनी मिल दीदार का फार्म को मय घटना में प्रयुक्त पिकप वाहन तथा एक आरा बरामद कर गिराफ्तार किया गया। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सुन्दर शर्मा, वरिष्ठ उपनिरीक्षक विनोद फर्त्याल, उपनिरीक्षक विजय कुमार आदि शामिल थे।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

पंतनगर की आंतरिक सड़कों का जल्द होगा निर्माण: बेहड़

विधायक बेहड़ ने पंतनगर में 27 लाख से निर्मित 7 विकास कार्यों का किया लोकार्पण

पंतनगर (उद संवाददाता)।किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ ने अपनी विधानसभा किच्छा के अंतर्गत् पंतनगर में विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ सभाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि पंतनगर जो कि पंतनगर यूनिवर्सिटी के आधीन आता है जिस कारण यहाँ की आन्तरिक सड़के बनाने का अधिकार केवल पंतनगर यूनिवर्सिटी के पास ही है और यूनिवर्सिटी के खराब हालात और सरकारों की अनदेखी के कारण यहाँ की आन्तरिक सड़कों का निर्माण पिछले लगभग 20 वर्षो से नहीं हो सका है जिसकी आवाज लगातार उन्होंहे विधानसभा सत्र के दौरान उठायी है द्य तथा उनके द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी को किच्छा विधानसभा से भेजी गयी 10 महत्वपूर्ण योजनाओं में से 1 योजना पंतनगर की आन्तरिक सड़कों का निर्माण करने की थी द्य मुख्यमंत्री जी ने उनकी मांग को स्वीकारते हुए उनके जन्मदिन पर 1 फरवरी को आन्तरिक सड़कों का निर्माण की घोषणा की है द्य इसके साथ ही वे अपनी विधायक निधि से भी जो पंतनगर क्षेत्र में विकास कार्य करा सकते है वे पूर्ण करा रहे है आज 27 लाख की लागत से निर्मित 7 सड़कों का लोकार्पण किया गया है। इन सड़कों की मांग यहाँ के स्थानीय नागरिको द्वारा की गयी थी द्य बेहड़ ने ये भी कहा की पंतनगर में कार्यरत्त ठेकाकर्मियों के वेतन बढाए जाने की मांग भी लगातार सरकार से कर रहे है और जब तक वेतन बाद नहीं जाता वे ये मांग जारी रखेंगे। विधायक बेहड़ ने विधायक निधि से निर्मित कराये 7 विकास कार्यो का आज लोकार्पण किया। इन विकास कार्यों की कुल लागत 27 लाख है,इसके तहत बेनी कलौनी के अन्दर रामचंद्र के घर से अमित सैनी एंव मोतीलाल के घर तक व श्री लल्लन प्रसाद के घर से परमवीर के घर तक, चारा बैंक लेबर रोड बस्ती में सर्विस रोड से लेबर शेड तक, तराई भवन चीफ हाउस के पास सर्विस रोड से सुनील,पन्ना एंव मनोज के घर तक, मस्जिद कलौनी में भारत की दुकान से अतुल्ला के घर तक, बूथ संख्या 32 में मंदिर से कलौनी तक सी०सी० रोड एंव एच ब्लाक के अन्दर चुघ लाल के घर से लेबर शैड तक सी०सी० सड़कों के निर्माण कार्यों के लोकार्पण फीता काटकर किये। इस दौरान इंटक यूनियन जिलाध्यक्ष जनार्दन सिंह, महेंद्र शर्मा, अतुल वर्मा,जगदीश कुमार, गुरप्रीत, अमित सैनी,मुल्सलीम,आर के श्रीवास्तव, महेश राम,डा बलवंत, निखिल गिला आदि लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा के बिना जीवन की कोई परिभाषा नहीं: डा.गुप्ता

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।शिक्षा के बिना जीवन की कोई परिभाषा नहीं है। यह बात सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. आशीष गुप्ता ने श्री सनातन धर्म कन्या महाविद्यालय में शिक्षा का जीवन में महत्वष्एवम आज के जमाने में मूल्यों पर आधारित शिक्षा की जरूरत विषय पर आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी में प्रथम दिवस बतौर मुख्य अतिथि अपने सम्बोधन में कही। उन्होंने कहा कि हर छात्र छात्रा के लिये शिक्षा जरूरी है। वो भी नैतिक मूल्यों के साथ। प्रधानाचार्या डा. सतविन्दर कौर ने कहा कि शिक्षा ज्ञान चक्षु ही नही खोलती बल्कि जीवन को एक पहचान भी देती है। गोष्ठी में हिमानी, प्रिन्सी, रिकी ने भी अपने विचार साझा किये। जिसमें हिमानी प्रथम, प्रींसी द्वितीय, रिकी तृतीय रही। जिन्हें डा. आशीष ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। डा . आशीष को बुकेट देकर सम्मानित किया गया। छात्राओं ने उनके सम्मान में स्वागत गीत गया। डा.आशीष उच्च कोटि के लेखक एवं विचारक है। उन्होंने 11 किताबे एवं सामाजिक समस्याओं पर 30 रिसर्च पेपर लिखे हैं। इस मौके पर डा. ज्योति, डा. चम्पा, डा. नीमां, डा. रजनी, डा.रेखा, डा. श्वेता, डा. विद्या, कु. गुन्जन, श्रीमती सोनिया, श्रीमती नेहा, डा. नीतू, डा. भावना सहित कई छात्राएं मौजूद थी। कार्यक्रम का संचालन कु . हिमानी ने किया।

हड़ताल के समर्थन में निकाला जुलूस

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। एसकेएम और ट्रेड यूनियनों ने औद्योगिक हड़ताल और ग्रामीण बंद के आहवान पर गल्ला मंडी में जूलूस निकालकर सभा की और विशाल सभा की। सभा में मजदूर समर्थक किसान-समर्थक जन-समर्थक नीतियां लागू करने ,गारंटीशुदा के साथ सभी फसलों के एमएसप+50% की मांग, अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने और उन पर मामला दर्ज करने, ऋणग्रस्तता से मुक्ति के छोटे और मध्यम किसान पररवारों को व्यापक ऋण माफी सहित कई मांगों को उठाया गया। वक्ताओ ने आवाहन किया कि सभी मांगों के पूरा होने तक संघर्ष जारी रहेगा। इस अवसर पर ऐक्टू प्रदेश महामंत्री के के बोरा, मजदुर सहयोग केन्द्र के मुकुल , इंकलाबी मजदूर केन्द्र के अध्यक्ष कैलाश भट्ट, दिनेश भट्ट, सिडकुल संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष दिनेश तिवारी,मासा के सुरेंद्र सिंह, भाकपा (माले) के ललित मटियाली , आशा यूनियन की जिला अध्यक्षा ममता पानू, रीता कश्यप, कुलविन्दर कौर, प्रकाश चिलवाल सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

Guru Maa Advanced Dental Care

गुरु माँ एडवांस डेन्टल क्लीनिक

WORLD-CLASS DENTAL CARE NOW IN YOUR CITY

रूट कैनाल विशेषज्ञ | डेन्टल इम्प्लांट | टेढ़े-मेढ़े दांतों का इलाज

invisalign

डॉ. आँचल ढींगरा

बी.डी.एस, एम.डी.एस. एंडोडोन्टिस्ट
रुट केनाल स्पेशलिस्ट, कॉस्मेटिक डेन्टीस्ट
सर्टिफाइड एस्थैटिक डैन्टिस्ट

Guru Maa Advanced Dental Care
"A Multi Speciality Dental Clinic"

प्लॉट नं 1, सिविल लाइन्स, रुद्रपुर | 7452880018, 05944-245666